● वर्ष-2
● अंक-219
रायपुर, शुक्रवार
05 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

राहुल की सदस्यता बचाने वाली याचिका खारिज

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द होने के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई है। अदालत ने याचिका को सुनने से ही मना कर दिया। बता दें कि केरल की रहने वाली आभा मुरलीधरन ने राहुल गांधी के मामले का हवाला देते हुए यह याचिका दाखिल की थी। उन्होंने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा, आप कौन हैं? क्या आपकी सदस्यता रद्द हुई है?

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के कोलार में मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। राहुल गांधी के खिलाफ केस भी दर्ज हुआ था। सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। इसकी वजह से उनकी संसद की सदस्यता रद्द कर दी गई है।

गुजरात हाईकोर्ट में फैसला सुरक्षित

राहुल गांधी ने सूरत कोर्ट के फैसले को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने सजा पर रोक लगाने की मांग की है। उधर, हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश सुरक्षित रखा है। जस्टिस हेमंत इस मामले में अवकाश के बाद फैसला सुनाएंगे। कोर्ट ने तब तक के लिए राहुल गांधी को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

23 मार्च को हुई थी सजा

बता दें कि भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। सूरत की अदालत ने 23 मार्च को राहुल को सजा सुनाई थी। अदालत ने द्धक्ष्ट की धारा 499 और 500 के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल की जेल की सजा सुनाई थी। कोलार में एक रैली में राहुल ने कहा था कि सभी चोरों का उपनाम मोदी कैसे हो सकता है?

याचिका में लगाए गए थे ये आरोप

याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि धारा 8(3) के तहत प्रतिनिधियों को दोषी पाए जाने के बाद उन्हें अपने आप अयोग्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता और पीएचडी विद्वान आभा मुरलीधरन द्वारा दायर याचिका में धारा 8 (3) के तहत स्वत अयोग्यता की घोषणा करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है और इसे मनमाना और अवैध होने के लिए संविधान के अति-विशिष्ट घोषित किया जाना चाहिए। वकील दीपक प्रकाश के माध्यम से दायर याचिका में शीर्ष अदालत से कहा गया है कि वह यह घोषणा करने के लिए निर्देश जारी करे कि भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (जो मानहानि का अपराध है) या दो साल की अधिकतम सजा निर्धारित करने वाला कोई अन्य अपराध किसी भी विधायक के किसी भी मौजूदा सदस्य को स्वचालित रूप से अयोग्य नहीं ठहराएगा। क्योंकि यह किसी निर्वाचित प्रतिनिधि के बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। याचिका में कहा गया है कि कानून की धारा 8(3) के तहत अयोग्यता पर विचार करते हुए आरोपी के स्वभाव, गंभीरता, भूमिका जैसे कारकों की भी जांच की जानी चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया कि धारा 8(3) विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चलाए जाने वाले झूठे राजनीतिक एजेंडे को बढ़ावा दे रही है।

क्या है जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8

जनप्रतिनिधि कानून की धारा 8 दोषी राजनेताओं को चुनाव लड़ने से रोकती है। हालांकि जिन राजनेताओं पर केवल मुकदमा चल रहा है और उन्हें दोषी करार नहीं दिया गया है, वह चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। अधिनियम की धारा 8(1) और (2) के तहत प्रावधान है कि यदि कोई विधायिका सदस्य (सांसद या विधायक) हत्या, बलात्कार, अस्पृश्यता, विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के उल्लंघन, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर शत्रुता पैदा करने, भारतीय संविधान का अपमान करने, प्रतिबंधित वस्तुओं के आयात-निर्यात करने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने जैसे अपराधों में दोषी पाया जाता है तो उसे अयोग्य माना जाएगा और उसे छह वर्ष तक चुनाव लड़ने के लिए भी अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

कनिमोझी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके सांसद कनिमोझी को बड़ी राहत दी है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने कनिमोझी के चुनाव को रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिका में कनिमोझी के तमिलनाडु के तुत्तुकुड़ी लोकसभा सीट से निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। जिसके खिलाफ कनिमोझी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनके निर्वाचन को रद्द करने की मांग करने वाली याचिका को खारिज करने की मांग की थी। बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने कनिमोझी के निर्वाचन के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद कनिमोझी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कनिमोझी की याचिका को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बेला एम की पीठ ने कनिमोझी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। बता दें कि कनिमोझी ने साल 2019 में तुत्तुकुड़ी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। कनिमोझी के निर्वाचन को ए सनातन कुमार नामक मतदाता ने चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि कनिमोझी ने अपने चुनावी हलफनामे में अपने पति के पैन नंबर का उल्लेख नहीं किया था। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने कनिमोझी के निर्वाचन को रद्द करने की मांग की थी।

इन दिनों

✍ आशीष तिवारी

कांग्रेस ने फिर भाजपा को दे दिया मुद्दा

कर्नाटक में चुनाव के कुछ रोज ही बाकी है और कांग्रेस ने भाजपा को ऐसा सियासी मुद्दा दे दिया, जिसमें वह न चाहते हुए भी हिंदुत्व की राह पर चल पड़ा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दरअसल बीते चुनावों में भी भाजपा को कांग्रेस ने ऐसे ही बैठे-बिठाए हिंदुत्व के मुद्दे दे दिए, जिसमें कांग्रेस को हमेशा मात ही खानी पड़ी। फिलहाल कर्नाटक में हनुमान और सांप को भाजपा ने सियासी मैदान में हिंदुत्व की राह पर आगे बढ़ा दिया है। सियासी गलियारों में चर्चा इसी बात की भी हो रही है कि क्या 10 मई को होने वाले चुनाव में बजरंगबली और सांप से सियासी रंग गाढ़ा होगा। यह भाजपा की अपनी रणनीति है और उनकी अपनी विचारधारा है। लेकिन उनके इसी विचारधारा को कांग्रेस के नेता किसी न किसी बहाने से ऐसी धार दे देते हैं, जो कांग्रेस के लिए उल्टा पड़ जाती है। जब कर्नाटक में कांग्रेस ने बजरंग दल की तुलना पीएफआई से करते हुए उस पर सख्ती बरतने की बात कही, तो भाजपा के लिए कांग्रेस के मेनिफेस्टो से सियासी लड़ाई लड़ने की एक नई राह निकल आई। बजरंग दल पर सख्ती बरतने वाला मेनिफेस्टो जारी कर कांग्रेस ने भाजपा को बैठे-बिठाए ऐसा मुद्दा दे दिया, जिसे भाजपा ने हनुमानजी से जोड़कर अपनी सियासी पार्टी में उसका जमकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इस पूरे मामले में अब चर्चा इस बात की शुरू हो गई है कि क्या बजरंग दल पर सख्ती किए जाने और भाजपा को इस पूरे मामले में हनुमानजी से जोड़ने का सियासी फायदा किसे होने वाला है। इसमें कोई शक नहीं है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा को कांग्रेस से मजबूत चुनौती मिल रही है। इस चुनौती के पीछे कई कारण है, जिसकी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर राज्य स्तरीय नेतृत्व को बखूबी जानकारी है। कर्नाटक के चुनाव में एक तो पहले से ही हनुमानजी की एंट्री हो चुकी थी। हनुमान और भगवान राम के अयोध्या और कर्नाटक के आपसी कनेक्शन को चुनावी रैलियों में भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार जिक्र भी किया जा रहा था। ऐसे मौके पर कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंग दल का जिक्र करके भाजपा को हिंदुत्व के मुद्दे को और आगे बढ़ाने का मौका दे दिया। बजरंग दल के मुद्दे पर हनुमानजी को आगे करके भाजपा जिस तरीके से अपने हिंदुत्व के मुद्दे को आगे बढ़ा रही है, उसका बहुत व्यापक स्तर पर तो असर नहीं होगा। कांग्रेस ऐसा पहले भी कर चुकी है। वह कहते हैं 2017 में गुजरात में हुए विधानसभा के चुनावों में भी जैसे ही राहुल गांधी ने मंदिरों में जाकर दर्शन करने शुरू किए वैसे ही भाजपा के शासन के दौरान की नाराजगी और चुनाव के असली मुद्दे किनारे हो गए। जब हिंदुत्व और हिंदुत्व की पार्टी की आती है, तो भाजपा हमेशा बाजी मारती है। इसलिए भाजपा के पास बजरंग दल के नाम से हिंदुत्व के मुद्दे को आगे रखकर अपना सियासी दांव और तेजी से बढ़ाना शुरू कर दिया।

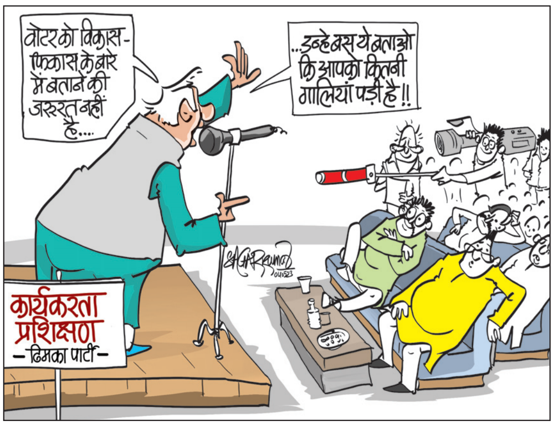

नीतीश सरकार को झटका, जातिगत गणना पर रोक लगी

पटना। बिहार में महागठबंधन सरकार को बड़ा झटका लगा है। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार द्वारा की जा रही जातिगत गणना पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश वी चन्द्रन की बेंच ने रोक लगाई है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी। हाईकोर्ट ने यह फैसला जाति आधारित जनगणना को चुनौती देने वाली लोकहित याचिकाओं पर सुनवाई करने के बाद सुनाया है। हाईकोर्ट में मामले को लेकर 2 दिन सुनवाई हुई थी। इसके बाद खंडपीठ ने बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई कोर्ट का यह आदेश बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि जाति आधारित जनगणना पर अगले आदेश तक के लिए तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही आर्थिक सर्वेक्षण पर भी रोक लगा दी गई है। इतना ही नहीं खंडपीठ ने जाति आधारित जनगणना के तहत अब तक जुटाए गए डेटा को शेयर करने और इस्तेमाल करने पर भी पाबंदी लगा दी है। डाटा को संरक्षित करने का निर्देश दिया है। ऐसे में अब अंतिम चरण में चल रहे जातिगत जनगणना पर रोक जाने से बिहार सरकार को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि बिहार में फिलहाल दूसरे चरण के लिए जनगणना का काम चल रहा था। इससे पहले पटना हाईकोर्ट में जातीय जनगणना को लेकर सुनवाई कल ही पूरी कर ली गई थी।

इस दौरान पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार से पूछा है कि आर्थिक सर्वेक्षण कराना क्या कानूनी बाध्यता है? जातीय

गणना कराना सरकार के अधिकार क्षेत्र में है या नहीं? इस गणना का उद्देश्य क्या है? क्या इसे लेकर कोई कानून भी बनाया गया है? जातीय गणना पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया था कि तीन दिन में सुनवाई कर पटना हाई कोर्ट मामले में अंतरिम आदेश दे। जाति आधारित जनगणना 15 अप्रैल को शुरू हुई थी और यह 15 मई को पूरी होनी है। बिहार सरकार दो चरणों में जाति आधारित गणना की कवायद शुरू की थी। पहला चरण 21 जनवरी तक पूरा हुआ था। सभी घरों की संख्या की गणना की गई। दूसरे चरण मार्च से शुरू हुआ था। सभी जातियों, उप-जातियों और धर्मों के लोगों से संबंधित आंकड़ा एकत्र किया गया। मई, 2023 तक पूरी हो जाएगी। पहले यह कवायद फरवरी 2023 तक पूरी की जानी थी। राज्य सरकार इस कवायद के लिए अपने आकस्मिक कोष से 500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

बिहार की राजनीति में जाति-आधारित गणना एक प्रमुख मुद्दा रहा है। केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने 2010 में राष्ट्रीय स्तर पर कवायद करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन जनगणना के दौरान एकत्र किया गया डेटा कभी तैयार नहीं किया गया।

प्रमुख समाचार

जंतर-मंतर की घटना बहुत ही शर्मनाक : राहुल गांधी

नईदिल्ली। जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों और दिल्ली पुलिस के बीच हाथापाई के कुछ घंटों बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत की बेटियों पर अत्याचार करने का आरोप लगाते हुए भाजपा पर तीखा हमला किया। ट्विटर पर राहुल ने कहा कि देश के खिलाड़ियों के साथ इस तरह का व्यवहार बहुत शर्मनाक है। %बेटी बचाओ% सिर्फ एक बकवास है! वास्तव में, भाजपा भारत की बेटियों पर अत्याचार करने से कभी पीछे नहीं हटी। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी ट्वीट करते हुए कहा कि अपनी कड़ी मेहनत और लगन से देश व अपने परिवार का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों के आंसू देखकर बहुत दुख होता है। इनकी सुनवाई हो और न्याय दिया जाए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पहलवानों और पुलिस के बीच हाथापाई को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। देश के चैंपियन

धर्म के नाम पर वोट मांग रहे पीएम : उद्धव

नई दिल्ली। शिवसेना उद्धव गुट के नेता उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि उनके पिता बाल ठाकरे को धर्म के नाम पर वोट मांगने के कारण मताधिकार से वंचित कर दिया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक में वोट मांगने के लिए जय बजरंग बली के नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। उद्धव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हो सकता है कि चुनाव आयोग के प्रावधान अब बदल गए हों। मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के लोगों से अपील की थी कि कांग्रेस को दंडित करने के लिए वे अपना डालते समय जय बजरंग बली बोलें। भाजपा नेताओं ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के अपने चुनावी घोषणापत्र के वादे को लेकर विपक्षी दल पर हमला तेज कर दिया है। बता दें कि बाल ठाकरे को नब्बे के दशक के अंत में एक सार्वजनिक रैली में धर्म के नाम पर वोट मांगकर भ्रष्ट आचरण में लिप्त पाए जाने के बाद छह साल के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

शिमला नगर निगम में कांग्रेस की जबरदस्त जीत

शिमला। नगर निगम शिमला के लिए वोटों की गिनती अब खत्म हो गई है। शिमला नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की जबरदस्त जीत हुई है। कांग्रेस ने 34 में से 24 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने में नाकाम रही क्योंकि उसने केवल 9 सीटों पर ही जीत साहिल की है। सीपीआईएम ने खाते में एक सीट गया है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा के लिए राज्य में यह दूसरा बड़ा झटका है। दिसंबर में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस अपनी संभावनाओं को लेकर उत्साहित थी। शिमला नगर निगम में जीत पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मैं शिमला नगर निगम की जनता का धन्यावाद करना चाहता हूं। पिछले 10 साल में ये पहला चुनाव है, जो पार्टी चुनाव चिन्ह पर लड़ा गया है। 10 साल बाद नगर निगम में ऐतिहासिक जीत दर्ज़ कर हम आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बंद की पहलवानों की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कई महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि एक प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी थी और दिल्ली पुलिस ने ऐसा करने के लिए शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान की थी। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर याचिकाकर्ता कुछ और चाहते हैं, तो वे मजिस्ट्रेट या उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में जा सकते हैं। सुनवाई के दौरान भारत सरकार के सॉलीसिटर जनरल ने पीठ को बताया कि कोर्ट ने शिकायतकर्ता को सुरक्षा का निर्देश दिया था। नाबालिग शिकायतकर्ता को पर्याप्त सुरक्षा दी गई है। सादे कपड़ों में पुलिस वाले सुरक्षा दे रहे हैं, जिससे पहचान न उजागर हो।

ऑपरेशन कावेरी, सूडान से 3584 भारतीयों को निकाला

एल फशीर। हिंसाग्रस्त सूडान से अपने नागरिकों को वापस लाने के भारत के अभियान 'ऑपरेशन कावेरी' के तहत भारतीयों की वतन वापसी का अभियान जारी है। भारतीय दूतावास ने ट्वीट करते हुए कहा कि ऑपरेशन कावेरी का 9वां दिन। एल फशीर में फंसे भारतीयों को लाने का सबसे कठिन कार्य आज पूरा हो गया। भारतीय दूतावास ने अपने संसाधनों को जुटाया और 1800 किमी से अधिक की कठिन यात्रा पर अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष क्षेत्रों में विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय किया। रत ने हिंसा से प्रभावित सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए पिछले सप्ताह 'ऑपरेशन कावेरी' शुरू किया था। पश्चिमी सूडान में एल फशीर से 80 भारतीयों को लेकर दो बसें 48 घंटे से अधिक समय तक यात्रा करने के बाद सुरक्षित रूप से पोर्ट सूडान (सूडान के पूर्व) पहुंचीं।

मणिपुर में हालात को नियंत्रित करने के लिए सेना तैनात

मणिपुर में आदिवासियों और बहुसंख्यक मेइती समुदाय के बीच हिंसा भड़कने के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रातोंरात सेना और असम राइफल्स के कई दलों को फौरन तैनात किया गया। हिंसा के कारण 9,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए।

मणिपुर राज्य की आबादी में 53 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले गैर-आदिवासी मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के खिलाफ चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर' (एटीएसयूएम) द्वारा बुलाए गए 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान बुधवार को हिंसा भड़क गई। राज्य के कई जिलों में हमले और जवाबी हमले हो रहे हैं जिससे आगजनी, तोड़फोड़ हो रही है। मार्च का आयोजन मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा पिछले महीने राज्य सरकार को मेइती समुदाय द्वारा एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को एक सिफारिश भेजने के लिए कहने के बाद किया गया। पुलिस के अनुसार, चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में मार्च के दौरान हथियार लिए हुए लोगों की एक भीड़ ने कथित तौर पर मेइती समुदाय के लोगों पर हमला किया, जिसकी जवाबी कार्रवाई में भी हमले हुए, जिसके कारण पूरे राज्य में हिंसा भड़क गई। उन्होंने बताया कि तोरबंग में तीन घंटे से अधिक समय तक हुई हिंसा में कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ के साथ ही आगजनी की गई।

लोगों से शांति बनाए रखने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि हिंसा समाज में गलतफहमी का नतीजा है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार कानून व्यवस्था की

स्थिति बनाए रखने के लिए सभी कदम उठा रही है और लोगों के जान-माल की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों की मांग की गई है।

अधिकारी ने बताया कि स्थिति को देखते हुए गैर-आदिवासी बहुल इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल, जिरिबाम और विष्णुपुर जिलों तथा आदिवासी बहुल चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने बताया कि इंफाल घाटी के कई इलाकों में कुकी आदिवासियों के घरों में तोड़फोड़ की गई, जिससे उन्हें इलाका छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने कहा कि इंफाल पश्चिम में कुकी बहुल लांगोल क्षेत्र के 500 से अधिक निवासी अपने घर छोड़कर चले गए हैं और वर्तमान में लम्फेलपत में सीआरपीएफ शिविर में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंफाल घाटी में बीती रात कुछ पूजा स्थलों को भी आग के हवाले कर दिया गया। इस बीच, आदिवासी बहुल चुराचांदपुर जिले के करीब 1,000 मेइती लोग क्वाक्ता और मोइरांग सहित बिष्णुपुर जिले के विभिन्न इलाकों में चले गए। घाटी के जन प्रतिनिधियों ने पहले कुछ मेइती संगठनों की एसटी का दर्जा देने की मांग का समर्थन किया था जिससे अनुसूचित जाति की सूची में स्थान रखने वाले कुछ समुदाय नाराज हो गये।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद आरोप लगाया कि इस स्थिति के लिए भारतीय जनता पार्टी की नफरत एवं विभाजन की राजनीति तथा सत्ता का उसका लोभ जिम्मेदार है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए। खरगे ने ट्वीट किया, मणिपुर जल रहा है। भाजपा ने समुदायों के बीच दरार पैदा की है और इस खूबसूरत राज्य की शांति को भंग कर दिया है।%

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज एम.सी. मेरीकॉम ने केंद्र सरकार से मणिपुर में भड़की हिंसा पर काबू पाने में मदद करने की अपील की है।

दंगाइयों को देखते ही गोली मार देने का आदेश

राज्य सरकार ने ''गंभीर स्थिति'' में देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया। यह आदेश राज्यपाल की ओर से जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि ''समझाने और चेतावनी के बावजूद स्थिति काबू में नहीं आने पर देखते ही गोली मारने' की कार्रवाई की जा सकती है। मणिपुर के राज्यपाल ने सभी जिलाधिकारियों, उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों को यह आदेश जारी किया है।

तेंदूपत्ता संग्राहको के साथ हो रहे शोषण और अन्याय को सहन नहीं किया जायेगा: मरकाम

सुदूर वनांचल ग्राम खड़मा और सोनारिनदैहान में भाजपा ने लगाया तेंदूपत्ता जनचौपाल

नगरी। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों के मांग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा विकास मरकाम द्वारा जन चौपाल का कार्यक्रम मगरलोड मंडल के अंतर्गत सुदूर वनांचल के ग्राम खड़मा व सोनारिनदैहान में रखा गया, जिसमे विकास मरकाम ने भूपेश बघेल के कांग्रेस सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों के साथ किए जा रहे शोषण और अन्याय के बारे में बताया। उन्होंने भूपेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि पूर्व की भांति संग्राहकों को तेंदूपत्ता बोनस मिलना चाहिए। पूरे प्रदेश में तेंदूपत्ता की खरीदी का टारगेट घटा दिया गया है, जिससे संग्राहक आदिवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ेगा। तेंदूपत्ता खरीदी 15 दिवस किया जाना चाहिए तथा संग्राहक परिवार को पूर्ववर्ती सरकार में मिल रहे अन्य सुविधाओं जैसे चरण पादुका, साड़ी और पढ़ने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति फिर से मिलना चाहिए। भूपेश सरकार अपने जन घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार फड़मुंशियो को वार्षिक ?12000,व जन घोषणापत्र के अनुरूप तेंदूपत्ता प्रबंधकों को तृतीय वर्ग कर्मचारी घोषित करना चाहिए।

तेंदूपत्ता जन चौपाल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल सहप्रभारी व जनपद सदस्य हिरामन ध्रुव, प्रदेश सदस्य किसान मोर्चा रोहित यादव,जनपद सदस्य नारायण ध्रुव, बूथ अध्यक्ष मिथलेश ध्रुव, कमलेश मंडावी, मनोज सिन्हा, हीरा लाल, कुशल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, पंच राम मंडावी, चैतराम, टकेश्वर राम, चेतन सिंह यादव, पुसरू राम, दयोधन सिंह, अशोक, सतवन नेताम, पोखन लाल, रामचरण, देशराम, ललिता मंडावी, रमशिला बाई, कमाबाई, चित्रेखाबई, ललिता, द्रोपती, इंद्राणी,संतोषी, भानुराम, दुलार सिंह, शंकरलाल, लक्ष्मण, गोवर्धन, शारदा, बंशीराम, लादूराम, शत्रुघन, गणेश राम,डाहरुराम, संतराम, नारायण, रामनाथ, विहारी लाल, छवि राम, योगेश कुमार अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को मौसम खुलने और खरीदी शुरू होने का है इंतजार

जगदलपुर। बस्तर संभाग में तेन्दूपत्ता खरीदी शुरू होने से संग्राहक परिवार में उम्मीद थी कि अधिक से अधिक मात्रा में तेन्दूपत्ता संग्रहण कर आर्थिक आय अर्जित करगे पर मौसम खराब होने के कारण उम्मीद पर पानी फिर गया है। बस्तर के ग्रामीण अंचल में तेन्दूपत्ता संग्रहण से अतिरिक्त आय अर्जित करते हैं, इसके कारण ग्रामीणों को तेन्दूपता खरीदी शुरू होने का इंतजार रहता है। विभाग द्वारा तेन्दूपत्ता खरीदी शुरू होने के साथ ही पूरा परिवार तेन्दूपत्ता संग्रहण करने जंगल की ओर निकल पड़ता है, लेकिन मौसम खराब होने के कारण खरीदी को बंद करना पड़ा है। संग्राहकों को मौसम खुलने और तेन्दूपत्ता संग्रहण शुरू होने का इंतजार है।

बस्तर में लगातार बदलते मौसम के कारण तेन्दूपत्ता संग्राहकों को नुकसान की चिंता सता रही है, क्योंकि आगामी दिनों में भी मौसम ऐसे ही रहा तो तेन्दूपत्ता की खरीदी नहीं होगी। पिछले साल भी लगातार बस्तर में मौसम बदलते रहा और तेन्दूपत्ता की खरीदी बहुत ही कम दिन हुई। इस साल भी मौसम को देखते हुए संग्राहक पिछले साल जैसी स्थिति निर्मित होने का अनुमान लगा रहे हैं। बस्तर वन वृत्त के चार वन मंडल में 119 लॉट में तेन्दूपत्ता की खरीदी की जाती है। इस सीजन में बीजापुर वन मंडल के 45 लॉट में 45, सुकमा में 48 लॉट में 40, दंतेवाड़ा में 11 लॉट में 11 तथा जगदलपुर में 15 लॉट में 13 लॉट की अग्रिम बिक्री हो चुकी है। शेष 10 लॉट में विभागीय स्तर पर खरीदी की जानी है। पिछले साल की तुलना में इस साल तेन्दूपत्ता की अग्रिम बिक्री अधिक हो चुकी है, इसलिए विभाग को तेन्दूपत्ता खरीदी करने की चिंता कम हुई है।

ग्राम पंचायत कोरिरास के सरपंच सुनील मंडावी ने बताया कि पूर्व में 12 से 15 दिन तेंदूपत्ता खरीदी किया जाता था। जिससे सभी ग्रामीण अपना तेंदूपत्ता बेच पाते थे। विगत 4 वर्षों से मात्र 2 या 3 दिन ही पत्ता खरीदा जाता है, जिस वजह से ग्रामीण अपना तेंदूपत्ता नहीं बेंच पाते हैं।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बड़ी-बड़ी वादे तो जरूर करती है पर कभी भी आदिवासियों के हित के लिए काम नहीं करती। तेंदूपत्ता संग्रहणकर्ताओं को जिस तरह से अपने घर के छत में पत्ता फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, उसका जिम्मेदार कोई अगर है तो वह कांग्रेस की भूपेश सरकार है, जिसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

नये शिक्षा सत्र से पहले प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करने की माँग

नगरी। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के द्वारा प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत 11 वर्षों से रुकी हुई प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द से जल्द जारी करवाने शासन से पुरजोर माँग कर आवाज़ बुलंद की जा रही हैं। राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत टी संवर्ग में वर्ष 2013 से तथा ई संवर्ग में वर्ष 2016 के बाद से हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं की गईं हैं । राज्य में तीन हजार दो सौ छियासठ स्कूलों में प्राचार्य के पद रिक्त पड़े हैं। वर्षो से प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं होने से टी तथा ई संवर्ग के सैकड़ों नियमित व्याख्याता तथा नियमित प्रधान पाठक सेवानिवृत्त हो गए हैं। प्राचार्य पद पर पदोन्नति का रास्ता देखते-देखते अनेकों व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की मृत्यु हो गईं हैं। प्रदेश के 3266 हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य के रिक्त सभी पदों पर नये शिक्षा सत्र 16 जून 2023 से पूर्व प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करने की एक सूत्रीय माँग को लेकर दिनाँक 2 मई 2023 को छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के मुख्य संयोजक सतीश प्रकाश सिंह ने इंद्रावती भवन नवा रायपुर में श्री सुनील कुमार जैन (आईएएस) , संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर से मिलकर प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द से जल्द जारी करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के मुख्य संयोजक सतीश प्रकाश सिंह द्वारा संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ से चर्चा कर निवेदन किया गया , कि प्राचार्य पदोन्नति के लिए प्रदेश के टी/ ई संवर्ग के नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की अंतरिम वरिष्ठता सूची तत्काल जारी की जाएं तथा प्राचार्य पदोन्नति की समस्त विभागीय प्रकिया को निधारित समय पर पूर्ण किया जाकर नये शिक्षा सत्र 16 जून 2023 के पूर्व प्राचार्य पद पर पदोन्नति का आदेश जारी किया जावें। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को प्राचार्य पदोन्नति के संबंध में श्री सुनील कुमार जैन (आईएएस) संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ तथा उप संचालक श्री आशुतोष चावरे ने शीघ्र नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की अंतरिम वरिष्ठता सूची जारी करने तथा प्राचार्य पदोन्नति के लिए उचित पहल करने का आश्वासन दिए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल में अनिल कुमार तिग्गा जशपुर, त्रिवेणी प्रसाद झारिया सरगुजा , रमेश कुमार साहू दुर्ग सहित अन्य व्याख्याता एवं प्रधान पाठक उपस्थित थे।

विधायक व कलेक्टर ने किया बेरला नगरीय क्षेत्र का भ्रमण, जल निकासी व्यवस्था सुधारने दिए निर्देश

कृषि विभाग के जर्जर भवन और जनपद पंचायत भवन जीर्णोद्धार के निर्देश

बेमेतरा। विधायक बेमेतरा श्री आशीष कुमार छाबड़ा एवं कलेक्टर श्री पदुम सिंह एल्मा ने आज सवेरे नगर पंचायत बेरला का भ्रमण कर नगरीय क्षेत्र और विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगरीय भ्रमण के दौरान जिलाधीश ने सर्वप्रथम पुराने पुलिस थाना भवन को पुलिस विभाग से लेकर नगर पंचायत बेरला को सौंप कर उस स्थान पर व्यवसायिक परिसर एवं बाजार लगाने के निर्देश दिए। तत्पश्चात पुराने गौठान में स्थित सामुदायिक मंच के आस-पास भी काम्प्लेक्स निर्माण करने की कार्य योजना बनाकर व्यवसायिक परिसर के रुप में निर्माण करने को कहा। विकासखण्ड शिक्षा कार्यालय बेरला के सामने वाले कृषि विभाग के जर्जर भवन और जनपद पंचायत भवन का भी जीर्णाद्धार कर व्यवस्थित रुप से कार्यालय संचालन करने को कहा। नगर पंचायत बेरला के पुष्पवाटिका और कृष्णकुंज का क्षेत्रफल बढ़ाकर पौधारोपण कर उसकी नियमित देखरेख करने, पानी की व्यवस्था करने और अतिरिक्त बैठक व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुष्पवाटिका के बाजू में प्रतिबुधवार को सब्जी बाजार लगाने को कहा। कृष्णकुंज के पौधों एवं

दीवार में रंग-रोगन करने के दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष रासबिहारी कुर्रे, उपाध्यक्ष नगर पंचायत भारतभूषण साहू, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला युगल किशोर उर्वशा, तहसीलदार बेरला, एसडीओ लो.नि.वि., बेरला थाना प्रभारी, राजेश दुबे सहित पार्षदगण एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र भ्रमण के दौरान नगर में साफ-सफाई रखने और निर्माण कार्यां को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने को कहा। नगरीय क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुधारने को कहा और नगरीय क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में वाहन पार्किंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नगरीय क्षेत्र में बेहतर क्रियान्वयन के लिए स्ट्रीट लाइट में रोशनी को लेकर सुझाव दिए। नगर में बने डिवाइडर की डेंटिंग-पेंटिंग एवं टूट-फूट का निर्माण कार्य करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए।

बेरला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान केंद्र में उचित साफ-सफाई नहीं होने और अव्यवस्था को देखते हुए नाराजगी जाहिर की तथा संबंधित बीएमओ को उचित व्यवस्था करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विधायक एवं कलेक्टर ने ओपीडी कक्ष, महिला-पुरुष मरीज वार्ड, शिशु वार्ड और पोषण पुनर्वास केंद्र, आई वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, ब्लड बैंक सहित विभिन्न कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल भी पूछा। मरीजों से इलाज एवं दवाइयां आदि की समुचित उपलब्धता के साथ-साथ शौचालयों की सफाई के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि भवन के छत में दरार होने की वजह से पानी का रिसाव हो रहा है उसको लोक निर्माण विभाग से समन्वय कर शीघ्र मरम्मत कराएं।

साय का कांग्रेस में शामिल होना आश्चर्यजनक: विजय

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय के पार्टी छोड़ने के निर्णय पर दुर्ग सांसद विजय बघेल ने आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि पता नहीं उनको क्या हो गया, किस सोच के साथ उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जबकि उनकी मानसिकता कहीं से भी कांग्रेस की रीति-नीति से नहीं मिलती है।

दुर्ग में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि साय छत्तीसगढ़ के सम्मानीय नेता है। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय और राज्य स्तर में कई बड़ी जिम्मेदारी दी थी। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय उन्हें मुख्यमंत्री के समकक्ष नेता प्रतिपक्ष जैसी जिम्मेदारी दी गई थी। पता नहीं उनको क्या हो गया, किस सोच के साथ उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जबकि उनकी मानसिकता कहीं से भी कांग्रेस की रीति-नीति से नहीं मिलती है। सांसद ने कहा कि साय हमेशा से देश हित राष्ट्र हित में और छत्तीसगढ़ का कैसे विकास हो इस पर लड़े।

उन्होंने छत्तीसगढ़ में शराब खोरी न हो, सट्टा खोरी न हो इसके लेकर लड़ाई लड़ी, लेकिन जो सरकार शराबखोरी, सट्टाखोरी, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार में डूबी है, ऐसी सरकार की पार्टी में मिलना, पता नहीं कौन सी सोच रही होगी कि साय उनसे जुड़े। मैं उनसे निवेदन करता हूं कि इस उम्र आपने जो निर्णय लिया है उसमें विचार करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

विधानसभा अध्यक्ष महंत 7 तक रहेंगे जिले के प्रवास पर

कोरबा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत 4 मई गुरुवार को कोरबा जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ महंत 4 मई को सवेरे 11 बजे सारागांव से प्रस्थान कर दोपहर 12:30 बजे कोरबा पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात डॉ. महंत 05 मई को दोपहर 2 बजे कोरबा से करतला ब्लॉक के पठियापाली मड़वारानी के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 3 बजे पठियापाली से सक्ति जिले के ग्राम रगजा के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 8:30 बजे सक्ति जिले से कोरबा आएंगे। 06 मई को शाम 04 बजे जांजगीर चाम्पा जिले के ग्राम बनारी के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री महंत का रात्रि 10 बजे कोरबा आगमन होगा। 07 मई सबेरे 10 बजे कोरबा से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

जीएसटी संयुक्त आयुक्त से जिला चेंबर ने की मुलाकात

कोरबा। जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि छत्तीसगढ़ जीएसटी के संयुक्त आयुक्त नरेंद्र वर्मा से कोरबा आयकर कार्यालय में जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें आर पी तिवारी, सुनील कुमार पोद्दार व विनोद सिन्हा ने सौजन्य मुलाकात की। जिला चेंबर प्रतिनिधि ने संयुक्त आयुक्त से कोरबा के व्यापारियों से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की तथा चेंबर के साथ कार्यशाला आयोजित करने की मांग की जिसे संयुक्त आयुक्त ने स्वीकार कर ली तथा एक पखवाड़े के अंदर कोरबा में कार्यशाला आयोजित कर व्यापारियों के समस्या व समाधान किया जाएगा का आश्वासन दिया। जिला चेंबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की सरल समाधान योजना के तहत पुराने विवादित जीएसटी समस्या का सरल समाधान व्यापारी बंधु एक आवेदन जिला जीएसटी कार्यालय कोरबा में देकर समस्या का समाधान कराने हेतु इस अवसर का लाभ उठावें।

गृह मंत्री की अनुशंसा पर स्वेच्छानुदान राशि हुई वितरित

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के वार्ड 14 मरौदा टैंक निवासी रतन कुमार कैंसर रोग से ग्रस्त था ।जिन्हें गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू की अनुश्सा पर 10 हजार रुपये के स्वेच्छानुदान की चेक प्रदान मिली। साथ ही वार्ड क्रमाक 14 मरौदा टैंक के रामजी यादव के घर मे आग लग गई थी तत्काल उनके घर पहुंचकर प्रदेश छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी एवं पार्षद गण उनके घर पहुंचकर 20 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेन्द्र साहू नगर पालिका निगम रिसाली की महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा महापौर परिषद के सदस्य अनुप डे गोविंद चतुर्वेदी चंद्र प्रकाश निगम सिंग जी स्थानीय वार्ड 14 कि पार्षद श्रीमती सरिता देवांगन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अधयझ मुकूंद कुमार भाऊ ब्लॉक महामंत्री चंद्रकांत कोरे वरिष्ठ कांग्रेसी जानकी रमैया एलडरमेन मो.निजाम अमित सिंग मोनू सुकुमारन लोकुमल ओतवानी प्रमोद चौधरी दिपक तिवारी उपस्थित थे।

डीजीपी ने दंतेवाड़ा, बस्तर के अधिकारियों की ली बैठक

दंतेवाड़ा। डीजीपी अशोक जुनेजा पिछले 2 दिनों से बस्तर प्रवास पर हैं। बुधवार को उन्होंने सुकमा में पुलिस अधिकारियों की बैठक ली थी, वहीं आज दंतेवाड़ा में गुरुवार को वे दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली है। इस बैठक में जो भी निर्णय लिया गया और रणनीतियां बनी है यह पूरी तरह से गोपनीय है। इससे पहले डीजीपी अशोक जुनेजा ने अरनपुर हमले में हुए नुकसान के बाद सबसे पहले दंतेवाड़ा पंहुचकर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया है। गौरतलब है कि पिछले 4 वर्षों से दंतेवाड़ा जिला शांत था, यहां नक्सलियों के कमजोर पडने की बात कही जा रही थी। लेकिन इस जिले में नक्सलियों ने अरनपुर विस्फोट की बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस भी नक्सलियों की बदली हुई रणनीति को समझने और आगे नक्सलियों से एक कदम आगे बढ़कर नक्सलियों के सफाये के लिए कारगर रणनीति के साथ आगे बढने की कवायद के रूप में डीजीपी के बस्तर प्रवास को देखा जा रहा है।

इंजीनियरों को सचिवों का प्रभार देने का कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने किया विरोध

जगदलपुर। ग्राम पंचायत सचिव अपनी एक सूत्रिय मांग को लेकर 16 मार्च से लगातार जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे है। ऐसे में ग्राम पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में जपं व जिपं के सीईओ ने बिना कार्मिक विभाग में पदस्थ इंजीनियरों को पंचायत सचिवों का प्रभार दे दिया गया है। इसका छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने विरोध किया है। फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष गजेंद्र श्रीवास्तव व संभाग प्रभारी कैलाश चौहान ने संयुक्त रूप से कलेक्टर व जिपं सीईओ को पत्र भेजकर इस तरह के गलत आदेश क का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों पर निर्माण व रखरखाव की अधिकता होने के बावजूद अतिरिक्त समय देकर पूर्ण क्षमता के साथ अपना काम कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें पंचायत सचिवों का गैर तकनीकी कार्य भी सौंप दिया गया है, ऐसे में ये काम उनके पद की गरिमा के विपरीत और सब इंजीनियरों के साथ अन्याय है।

दुर्ग जिले में बनेंगे 10 नए स्वामी आत्मानंद स्कूल डीएमएफ से मिलेगी राशि

जिले के कॉलेजों के रिनोवेशन व अधोसंरचना विकास के लिए डीएमएफकी बैठक में 5 करोड़ अनुमोदित

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में आज जिला खनिज संस्थान न्यास की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण नियंत्रण, सतत् आजीविका, भौतिक अधोसंरचना एवं अन्य विकास कार्यों हेतु 60 करोड़ रू. की राशि अनुमोदित की गई। शिक्षा के क्षेत्र में 10 नए आत्मानंद स्कूलों का निर्माण, महाविद्यालयों का जीर्णोद्धार, प्राथमिक शालाओं में बच्चों की बैठक व्यवस्था व संचालित स्कूलों में अधोसंरचना एवं उपकरणों की उपलब्धता हेतु प्रस्तुत सभी प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिला चिकित्सालय के जीर्णोद्धार एवं रख-रखाव के लिए राशि स्वीकृत की गई। सतत् आजीविका हेतु नगरीय व ग्रामीण निकायों में स्वरोजगार हेतु विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में अधोसंरचना विकास कार्यों के लिए 45 लाख रू., जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों हेतु प्रति विधानसभा

35 लाख रू. एवं सभी सदस्यों के क्षेत्र में विकास कार्यों हेतु प्रति सदस्य हेतु 10 लाख रु. स्वीकृत किए गए।

शिक्षा - कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में कहा कि दुर्ग शिक्षाधानी के नाम से जाना जाता है। यहां कई कॉलेज एवं स्कूल हैं जहां से पढ़कर निकले छात्रों ने देश-दुनिया में जिले और राज्य का परचम लहराया है। ऐसे में जिले के शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता को और बेहतर करना हमारी प्राथमिकता है। इसके अंतर्गत जिले में 10 स्वामी आत्मानंद स्कूल, खेल मैदान व उपकरण, पेवर ब्लॉक, बाउंड्रीवाल, कम्प्यूटर लैब व डिजिटल क्लास रूम निर्माण हेतु राशि स्वीकृत की गई है। जिले में 42 आत्मानंद स्कूल संचालित हैं जिनमें 28 अंग्रेजी माध्यम व 14 हिंदी माध्यम में संचालित हैं। इसके साथ जिले के सभी प्रमुख महाविद्यालयों के अधोसंरचनात्मक विकास एवं आधुनिकीकरण हेतु 5 रू. करोड़ राशि स्वीकृत की गई।

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु जिला चिकित्सालय दुर्ग के अपग्रेडेशन, उपकरण की उपलब्धता, व चिकिसा अधिकारी एवं कर्मचारियों के मानदेय भुगतान हेतु राशि स्वीकृत की गई।

सतत् आजीविका - स्वरोजगार व नवाचार को बढावा देने के उद्देश्य से सतत् आजीविका हेतु सभी नगरीय निकायों में वेंडिंग जोन निर्माण, पेंट युनिट निर्माण एवं ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में मशरूम यूनिट की स्थापना करने राशि स्वीकृत की गई।

भूमिपूजन के एक वर्ष बाद एक करोड़ के 8 सड़कों का नहीं हो पाया निर्माण

कांकेर। पखांजूर के ग्राम बडग़ांव में एक वर्ष पूर्व 13 मार्च 2022 को प्रदेश के आबकारी मंत्री कवासी लखमा व विधायक अनूप नाग के द्वारा एक करोड़ की लागत से मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना के तहत 8 सड़कों का भूमिपूजन किया गया था, लेकिन एक वर्ष बाद इन क्रांकीट सड़कों के राशि स्वीकृत नहीं होने के कारण इनका निमार्ण ही नहीं हो पाया। बिना राशि आऐ विभाग द्वारा इन सड़कों का भूमिपूजन करा दिया गया अब भूमिपूजन के पत्थर धूल फांक रहे है। प्रशासन द्वारा बड़े ताम-झाम के साथ इन भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, पर काम नहीं होने के कारण चुनाव के पूर्व अब यह भूमिपूजन चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस संबध में लोक निमार्ण विभाग के एसडीओ पखांजूर एके मिलिंद ने बताया की कार्य की औपचारीक स्वीकृती मिली थी, जिसके बाद भूमिपूजन करा दिया गया था, पर इसके लिए राशि नहीं आने के कारण टेंडर नहीं हो पाया जिस कारण से काम भी शुरू नहीं हुआ।

इस संबध में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी ने कहा कि चाहे केंद्र में हो या राज्यों में हर कांग्रेस सरकारों की यह पुरानी आदत रही है कि भूमिपूजन कर लोगों से झूठी वाह-वाही ले लो और निमार्ण के लिए राशि मत भेजो, आबकारी मंत्री और विधायक ने इसी परंपरा को कायम रखा है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नया अध्यक्ष आज तय होगा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने 4 मई को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि शरद पवार के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए गठित समिति इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए शुक्रवार को बैठक करेगी। तापसे ने कहा कि हम पवार साहब से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। पार्टी कैडर के बढ़ते दबाव के बाद 82 वर्षीय नेता ने कहा कि उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने में दो-तीन दिन लगेंगे। हालाँकि, पद छोड़ने के फैसले से कयास लगने लगे हैं कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा- बेटी सुप्रिया सुले या भतीजे अजीत पवार? समिति में सुप्रिया सुले, अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल, जयंत पाटिल, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे और अन्य जैसे वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। छगन भुजबल ने कहा कि सुप्रिया सुले राष्ट्रीय भूमिका निभाने के लिए एक आदर्श विकल्प हैं।

राउत कांग्रेस के बिचौलिए बनकर न करें कामः फडणवीस

बेंगलुरु। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना के नेता संजय राउत पर बिचौलिए होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राउत कांग्रेस के निर्देश पर चल रहे हैं। जैसा कांग्रेस बोल रही है वैसा ही कर रहे हैं। इसी के चलते राउत ने भाजपा के वोट कम करने के लिए कर्नाटक के बेलागवी में प्रचार किया था। फडणवीस बेलागवी जिले में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। बता दें, यहां मराठी भाषा के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। यह भाषा दशकों से दो पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच विवाद का कारण रहा है। साल 1960 के दशक में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से विवाद रहा है। फडणवीस ने दावा किया कि अगर राउत कांग्रेस के बिचौलिए की तरह काम करना बंद कर देते हैं, तो वह यहां नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि राउत भाजपा के वोट काटने के लिए कांग्रेस के निर्देश पर यहां आए हुए हैं।

केजरीवाल ने पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावर है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने लोगों के पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक है नैतिक दोगलापन और दूसरा है क़ानून का हनन। उन्होंने(अरविंद केजरीवाल) कहा था कि मैं गाड़ी नहीं लूंगा लेकिन 7 स्टार सुविधाएं खुद के लिए बना लीं और ये सब ऐसे समय में हुआ जब कोरोना था। तब ऑक्सीजन के लिए केंद्र से कहते रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता त्राहिमाम कर रही थी, तब कंस्ट्रक्शन पर रोक था लेकिन तब 45 करोड़ में निर्माण हुआ। उसी दौरान मज़दूरों को दिल्ली से बाहर धकेला गया। यह नैतिक मूल्यों का हनन था। लेखी ने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने लोगों के पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा है।

विपक्षी दलों को एकजुट करने में मेरा निजी एजेंडा नहीं : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। नीतीश ने आज एक बार फिर से भाजपा पर हमला करते हुए बताया कि आखिर वह विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वे (भाजपा) देश के इतिहास को बदलना चाहते हैं इसलिए मैं विपक्षी दलों को एकजुट कर रहा हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं है, यह सबके फायदे के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं अपने लिए कुछ नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सबको एकजुट करना क्योंकि एकजुट होंगे तभी ये देश सुरक्षित होगा। आजकल आप देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री ने जाति आधारित जनगणना को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना सब लोगों के राय से तय हुआ है ये सबके हित के लिए हो रहा है लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा इसका विरोध क्यों हो रहा है।

साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काना ठीक नहीं : बोम्मई

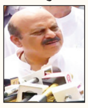

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार प्रचार जारी है। कांग्रेस ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। वहीं, भाजपा सत्ता में वापसी को लेकर राज्य में खूब मेहनत कर रही है। राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही माना जा रहा है। इन सब के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम अपने कार्यक्रमों के आधार पर चुनाव लड़ते हैं, वे अपने वादों पर चुनाव लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेवजह जाति, धर्म और साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काना ठीक नहीं है, यह कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति को दर्शाता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज स्छक्कु और क्कनद्ध की गिरफ्त में है, और वह इससे बाहर नहीं निकल सकती। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि एसडीपीआई, पीएफआई के खिलाफ बात करेंगे तो कांग्रेस के नेताओं को चिंता सताने लगेगी।

हुबली-धारवाड़ सीट भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न

सोनिया गांधी हुबली में जगदीश शेट्टर को जीताने के लिए मैदान में उतरेंगी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हुबली-धारवाड़ सीट भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। एक तरफ भाजपा अपने बागी पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर को हराने के लिए कमर कसी हुई है तो वहीं दूसरी ओर अब जगदीश शेट्टर की जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी खुद चुनावी मैदान में कूद पड़ी हैं।

बताया जा रहा है कि आगामी 6 मई यानी शनिवार को कांग्रेस की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी जगदीश शेट्टर और कांग्रेस के पक्ष में हुबली में जनसभा करेंगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी के चुनावी अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक कांग्रेस के अनुसार 6 मई को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार, जगदीश शेट्टर और लक्ष्मण सावदी सहित प्रदेश के सभी नेता सोनिया गांधी के साथ मंच साझा करेंगे।

जानकारी के अनुसार सोनिया गांधी के रैली की सूचना से भाजपा खेमे में भी खलबली मची है क्योंकि प्रदेश भाजपा के साथ-साथ केंद्रीय नेतृत्व ने जगदीश शेट्टर और लक्ष्मण सावदी को हराने के लिए विशेष पहल कर रखी है और इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा विशेष तौर से मैदान में हैं। लिंगायत समुदाय बहुल यह सीट जगदीश शेट्टर के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा के लिए परेशानी पैदा कर रही है, जो अभी तक भाजपा की पारंपरिक सीट मानी जाती थी।

लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा टिकट काटे जाने के बाद बगावत कर दी और सिर्फ बगावत ही नहीं की बल्कि वैचारिक तौर पर सबसे प्रबल विरोधी पार्टी कांग्रेस की सदस्यता ले ली। जिसने शेट्टर को

हुबली सीट से अपना प्रत्याशी बना दिया। वहीं भाजपा ने जगदीश शेट्टर का टिकट काटकर महेश तेंगिनाकाई को मैदान में उतारा है।

अब ऐसी कांटे की टक्कर में सोनिया गांधी का हुबली में चुनावी प्रचार के लिए जाना भाजपा के लिए भारी मुसिबत का सबब बन सकता है। वहीं कांग्रेस द्वारा अब तक कर्नाटक में चलाये गये चुनावी अभियान की बात करें तो जनाधार को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने 16 अप्रैल से अब तक राज्य भर में लगभग 60 रैलियों और रोड शो किए हैं।

वहीं अगर हम सोनिया गांधी के बरक्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात करें तो उन्होंने अब तक बीदर, हुमनाबाद, विजयपुरा, कुडची, उत्तरी बेंगलुरु, कोलार, चन्नपट्टना और बेलूर, चित्रदुर्ग, विजयनगरा, सिंधानपुर, कलबुर्गी, मूदाबिद्री, करवार और किट्टूर में जनसभाएं और रोड शो कर चुके हैं। पीएम मोदी 6 मई को चित्तापुर, नंजांगुड, टुमकुरु ग्रामीण, दक्षिणी बेगलुरु में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी 7 मई को भी चुनावी अभियान में लगे रहेंगे और वो बादामी, हावेरी, शिवमोगा ग्रामीण और बेंगलुरु सेंट्रल में भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगे।

कनकगिरी में चुनावी सभा में प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा

बेंगलुरु। कर्नाटक चुनाव को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार पार्टी के लिए प्रचार कर रही है। आज उन्होंने कनकगिरी में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कहा कि आजकल सिलेंडर 1100 से लेकर 1200 रुपए हो गया है और आप उसे ही नहीं खरीद पा रही हैं, दाल, आटा, सब्जियां, फल सभी चीज़ें महंगी हैं इसमें से आधी चीज़े आप खरीद ही नहीं पाती होंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ये सब आपके साथ इसलिए हो रहा है क्योंकि एक भ्रष्ट सरकार भ्रष्ट नीतियां बना रही हैं उनकी नीतियों में आपका हित नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि अर्जुन का ध्यान अपने निशाने से बिलकुल नहीं भटकता था। कर्नाटक के बहनों और भाइयों, आप अर्जुन बन जाओ। उन्होंने कहा कि अपना ध्यान अपने भविष्य पर रखो, अपनी समस्याओं पर, अपने विकास पर, अपने बच्चों के भविष्य पर रखो... उसे भटकने मत दो। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार 3 साल से सत्ता में है। जब भी कोई नई सरकार आती है तो वह एक नई पहचान बनाने की कोशिश करती है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या यह दुखद और शर्मनाक नहीं है कि कर्नाटक बीजेपी को 40% सरकार के रूप में जाना जाता है?

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह नाम किसी पार्टी ने नहीं, बल्कि उन ठेकेदारों ने दिया है, जिन्हें खुदकुशी के लिए मजबूर किया गया। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा विजयनगर साम्राज्य के श्री कृष्णदेवराय द्वारा निर्मित प्राचीन कामकागिरी मंदिर पहुंची। इससे पहले प्रियंका ने कहा था कि नरेंद्र मोदी को उनके लोग सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ, विकास पुरुष बताते हैं। मोदी जी कर्नाटक में आकर कहते हैं- मेरा सपना था, कर्नाटक को देश में विकास की मिसाल बनाऊं। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात है- कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी तो मोदी जी ने यह सपना पूरा क्यों नहीं किया आप तो सर्वोपरि हैं, सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 3 सालों में उन्होंने (बीजेपी) कर्नाटक से डेढ़ लाख करोड़ रुपए लूटे हैं।

एससीओ की बैठक
भाषा के एकाधिकार के खिलाफ भारत

गोवा। भारत की मेजबानी में आज गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की शुरुआत हुई है। बैठक में इस बार अंग्रेजी भाषा को महत्व दिए जाने पर जोर दिया जाएगा। असल में, शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान रूसी और मंदारिन भाषा में बात की जाती है। बता दें, भारत एक बार फिर शंघाई सहयोग संगठन की मुख्य कामकाजी भाषाओं में से एक के रूप में अंग्रेजी के उपयोग पर जोर देगा। सूत्रों की माने तो भारत को अन्य सदस्यों का भी साथ मिला है।

गौरतलब है, रूसी और मंदारिन वर्तमान में एससीओ में आधिकारिक और कामकाजी भाषाओं के रूप में उपयोग की जाती हैं। ग्रुप के दस्तावेज भी इन्हीं दो भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। रूस और चीन के अलावा चार मध्य एशियाई राज्य एससीओ के संस्थापक सदस्यों में से हैं। बैठक में रूसी व्यापक रूप से बोली और लिखी जाती है। भारत वर्तमान में गोवा में दो दिवसीय एससीओ सीएफएम की मेजबानी कर रहा है।

भारत के लिए एससीओ का महत्व बहुत है। इसमें भारत को दक्षिण एशिया में स्थान देने के साथ-साथ अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने का मौका भी मिलता है। भारत एससीओ संगठन के देशों में एक महत्वपूर्ण देश के रूप में उभरा है। इस संगठन में चीन और रूस प्रमुख देश हैं। इस संगठन को नाटो के विकल्प के तौर पर भी देखा जाता है। ऐसे में एससीओ का सदस्य होते हुए भी भारत चार देशों के संगठन क्वाड का भी सदस्य है।

एससीओ का मुख्य उद्देश्य संबंधित देशों के बीच सहयोग, अपराध और आतंकवाद से लड़ाई, बाहरी यात्रा और व्यापार को सुविधाजनक बनाना, राष्ट्रीय सुरक्षा में सहयोग, तकनीकी सहयोग और अन्य क्षेत्रों में सहयोग जैसी अनेक विषयों पर सहमति विकसित करना होता है।

एससीओ समिट एक आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो दक्षिणी एशिया में स्थित देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। इस संगठन का निर्माण 2001 में शंघाई में हुआ था और इसमें चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, उजबेकिस्तान, तजाकिस्तान और किर्गिजस्तान शामिल हैं।

एससीओ समिट के लिए गोवा पहुंचे बिलावल भुट्टो

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के दौरे पर हैं। यह बैठक गोवा में हो रहा है। बिलावल भुट्टो गोवा पहुंच चुके हैं। इस सब के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का भी बयान सामने आया है। शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत में विदेश मंत्रियों की बैठक की एससीओ परिषद में भाग लेने का पाकिस्तान का निर्णय एससीओ चार्टर और बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता के अपने साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि हम सभी कनेक्टिविटी, व्यापार और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के आधार पर समझ के लिए हैं। बिलावल भुट्टो जरदारी गोवा में चार और पांच मई को होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय बैठक में हिस्सा लेंगे।

खेल

प्रमुख समाचार

राजस्थान और गुजरात की टीमें आज भिड़ेगी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को अपने अगले मुकाबले में जब राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान में उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली यह टीम कम स्कोर वाले अपने पिछले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से पांच रन से हार गयी थी। टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। संजू सैमसन की अगुवाई वाले राजस्थान रॉयल्स में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम लगातार जीत दर्ज करने में विफल रही है। पिछले छह मैचों में टीम तीन मुकाबलों में जीती है जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के साथ समस्या गेंदबाजी में अधिक है। टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रही थी। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन ने उस मैच में खूब रन लुटाए थे। उन्हें शुक्रवार को घरेलू मैदान में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। रॉयल्स को इस बात से थोड़ी राहत मिल सकती है कि सत्र की शुरुआत में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की थी। राजस्थान की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल के अलावा जोस बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर की तिकड़ी अपने दम पर किसी भी मैच का पासा पलट सकती है। इस बल्लेबाजी इकाई को हालांकि मोहम्मद शमी और राशिद खान के नेतृत्व वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सतर्क रहना होगा। राजस्थान की टीम अगर इस मैच को जीतती है तो टीम बेहतर नेट रनरेट (+0.800) के कारण तालिका में शीर्ष पर पहुंच जायेगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान प्रमुख समाचार

सेंसेक्स ने लगाई 556 अंकों की छलांग, निफ्टी 18250 के पार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले- जुले रुझानों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन झूम उठा। घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त तेजी के साथ हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स ने 556 अंको की छलांग लगाई और 61,749.25 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी में 166 अंको की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,255.80 पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 555.95 अंक यानी 0.91 फीसदी मजबूत होकर 61,749.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,797.91 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 61,119.56 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 165.95 अंक यानी 0.92 फीसदी की तेजी देखी गई। निफ्टी कारोबार के अंत में 18,255.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,267.45 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,066.70 तक आया।

एचडीएफसी ने मार्च तिमाही में कमाए 4425 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। हाउसिंग डेवेलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन का नेट प्रॉफिट 31 मार्च को समाप्त 2022-23 की चौथी तिमाही में 19.5 प्रतिशत बढ़कर 4,425.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने इससे पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी तिमाही में 3,700.32 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। इसके अलावा एचडीएफसी ने 2200 प्रतिशत यानी 44 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड की भी घोषणा की है। मोर्टगेज लोन देने वाली कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए दो रुपये के अंकित मूल्य पर 44 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी। डिविडेंड का भुगतान एक जून से किया जाएगा। कंपनी ने कहा, बोर्ड की मंजूरी के अनुसार 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए अंतरिम डिविडेंड के हकदार शेयरधारकों को निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि मंगलवार, 16 मई, 2023 होगी।

अप्रैल में घटी यात्री वाहनों की बिक्री : फाडा

नईदिल्ली। देश में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले महीने एक प्रतिशत की गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि पहली अप्रैल से सख्त उत्सर्जन नियम लागू होने की वजह से खरीदारों ने मार्च में वाहन खरीदना अधिक पसंद किया। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल, 2023 में घटकर 2,82,674 इकाई रह गई। अप्रैल, 2022 में यह 2,86,539 इकाई रही थी। फाडा के अध्यक्ष सिंघानिया ने बयान में कहा, ''यात्री वाहन खंड ने 2022-23 में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की थी। लेकिन अप्रैल में यात्री वाहन बिक्री कम रही है। इसकी मुख्य वजह पिछले साल का ऊंचा आधार प्रभाव तथा ओबीडी 2 ए नियम हैं जिसकी वजह से वाहन महंगे हो गए हैं और लोगों ने अप्रैल के बजाय मार्च में वाहन खरीदना बेहतर समझा।' अप्रैल में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 7% घटकर 12,29,911 इकाई रहा।

भारत में अपनी मौजूदगी का विस्तार करे बोइंग : गोयल

नईदिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि वह अमेरिकी विमान विनिर्माता बोइंग की भारत में बढ़ी हुई मौजूदगी देखना चाहते हैं। बोइंग को टाटा समूह की एयर इंडिया से विमानों की आपूर्ति का एक बड़ा ठेका मिला है। एयर इंडिया ने गत फरवरी में कहा था कि वह बोइंग और एयरबस से कुल 470 विमानों की खरीद करेगी। इस सौदे का कुल मूल्य 80 अरब डॉलर होने का अनुमान है। गोयल ने यहां भारत-अमेरिका साझेदारी पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'बोइंग को हाल ही में टाटा से बहुत बड़ा ऑर्डर मिला है और मेरी समझ में इसी तरह के कुछ और ऑर्डर भी आने वाले हैं। मैं भारत में बोइंग की मौजूदगी में विस्तार देखना चाहता हूं। मेरी इच्छा है कि आप अपना स्थानीय आपूर्ति शृंखला बढ़ाएं और यहां पर मरम्मत, रखरखाव एवं परिचालन की अधिक गतिविधियां करें।'

जीएसटी संग्रहण : अर्थव्यवस्था को उबारने के प्रयास सफल रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 की शुरुआत ही अप्रैल 2023 माह से हुई है एवं नए वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में ही अर्थात अप्रैल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 187,035 करोड़ रुपए का रहा है और यह एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। पूर्व में अप्रैल 2022 माह में यह 167,540 करोड़ रुपए का रहा था, जो उस समय पर एक नया रिकॉर्ड स्तर बना था। अप्रैल 2023 माह में यह अप्रैल 2022 माह की तुलना में 19,495 करोड़ रुपए अधिक रहा है एवं 11.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 160,172 करोड़ रुपए का रहा था एवं वर्ष 2022-23 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण का मासिक औसत 1.51 लाख करोड़ रुपए रहा था। इसी प्रकार, अप्रैल 2023 माह में ही यूपीआई व्यवहारों ने भी अभी तक के एक नए रिकॉर्ड स्तर को छुआ है, जो 14.07 लाख करोड़ रुपए के 890 करोड़ व्यवहारों के साथ अभी तक के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही, फास्टटैग व्यवहार भी अप्रैल 2023 माह में 5149 करोड़ रुपए के 30,50,000 व्यवहारों के साथ अभी तक के अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए है। फास्टटैग व्यवहारों में अप्रैल 2023 माह में 15 प्रतिशत एवं राशि के संग्रहण में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे भारत में उत्पादों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने को अत्यधिक तेज गति मिलती दिखाई दे रही है। इन व्यवहारों में वृद्धि देश में आर्थिक विकास की दर को और आगे ले जाने में मदद करेगी।

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में लगातार हो रही वृद्धि में कुछ राज्यों का योगदान निश्चित रूप से बहुत सराहनीय है एवं भारत में यह

सहकारी संघवाद के उत्कृष्ट नमूने के रूप में दिखाई दे रहा है। अधिकतम कर राशि संग्रहण के मामले में प्रथम दस बड़े राज्यों में शामिल हैं, महाराष्ट्र (33,196 करोड़ रुपए), कर्नाटक (14,593 करोड़ रुपए), गुजरात (11,721), तमिलनाडु (11,559), उत्तर प्रदेश (10,320), हरियाणा (10,035), पश्चिम बंगाल (6,447), दिल्ली (6,320), तेलंगाना (5,622) एवं ओड़िशा (5,036)।

उक्त राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात एवं तमिलनाडु ने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे आने वाले कुछ वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर ले जाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में हो रही वृद्धि के चलते इन राज्यों को उक्त लक्ष्य हासिल करने में निश्चित ही आसानी होगी।

उक्त दस बड़े राज्यों में से कुछ राज्यों सहित कुछ अन्य राज्यों ने अप्रेल 2022 की तुलना में अप्रैल 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल की है। अर्थात, इन राज्यों में आर्थिक विकास की गति तेज होती दिखाई दे रही है। ये राज्य हैं, उत्तर प्रदेश (21 प्रतिशत), हरियाणा (22 प्रतिशत), जम्मू एवं कश्मीर (44 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (28 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21 प्रतिशत), कर्नाटक (23 प्रतिशत), गोवा (32 प्रतिशत) एवं लद्दाख (43 प्रतिशत)। विशेष रूप से पिछले 9 वर्षों से भारत सरकार द्वारा उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण के अप्रेल 2023 माह के आंकड़ों को देखकर यह कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार के उक्त प्रयास सफल होते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि इन राज्यों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में माह अप्रेल 2022 की तुलना में माह अप्रैल 2023 में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सिक्किम में 61 प्रतिशत, मिजोरम में 53 प्रतिशत, मणिपुर में 32 प्रतिशत, नागालैंड में 29 प्रतिशत, त्रिपुरा में 25 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 21 प्रतिशत, असम में 15 प्रतिशत एवं मेघालय में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में अग्रणी रहे प्रथम 10 राज्यों में से 5 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की सरकार है एवं 6ठा राज्य ओडिशा भी समय-समय पर केंद्र सरकार की नीतियों का समर्थन करता दिखाई देता है।

चुनावों में अपशब्दों का प्रयोग जरूरी क्यों ?

अजय सेठिया

कांग्रेस में भीतर ही भीतर एक मंथन चल रहा है कि अगर विपक्षी दलों को राहुल गांधी के नाम पर एतराज है, तो प्रियंका वाड्रा का नाम आगे किया जाए। यह सुझाव बुरा नहीं है, कांग्रेस के नेता प्रियंका वाड्रा को एक दशक से तुरुप का पत्ता बताते रहे हैं, शायद अब यह तुरुप का पत्ता चलने का वक्त आ गया है। लेकिन शायद कांग्रेसी खुद भूल गए हैं कि यह तुरुप का पत्ता वे पहले चल चुके हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले यह फीलर फैंका गया था कि प्रियंका वाड्रा कांग्रेस का मुख्यमंत्री का चेहरा होंगी। तब एक पत्रकार ने उनसे ही पूछ लिया था कि कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, तो उन्होंने कहा था कि मेरे सिवा कोई और दिखता है क्या ? यह खुद उनकी तरफ से जनता में फैंका गया फीलर था, लेकिन जब कोई रिस्पांस नहीं मिला तो उन्होंने कुछ दिन बाद खुद कह दिया था कि वह तो मजाक कर रहीं थी। वह मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार नहीं है7 तो यह तुरुप का पत्ता चला जा चुका है। एक समय था जब प्रियंका कांग्रेस में सक्रिय नहीं थी, और राहुल गांधी राजनीति में पिट रहे थे, तो कांग्रेस के नेता और कांग्रेस समर्थक मीडिया उन्हें कांग्रेस का तुरुप का पत्ता बताया करते थे। अब जब प्रियंका वाड्रा पिछले पांच साल से कांग्रेस में सक्रिय है, लोगों ने प्रियंका को देख सुन लिया है। अब लोग राहुल और प्रियंका की तुलना करते हैं, तो राहुल को बेहतर पाते हैं। राहुल गांधी पन्द्रह साल से राजनीति में है, और उन्होंने काफी कुछ सीखा है। हालांकि अपने विरोधियों के बारे में किस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, इसमें दोनों उन्नीस बीस ही हैं। राहुल गांधी नरेंद्र मोदी के लिए खून का दलाल, चौकीदार चोर और सारे मोदी चोर कह कर अपना नाम कमा चुके हैं। चोकीदार चोर के मुद्दे पर तो उन्हें सुप्रीमकोर्ट से माफी भी मांगनी पड़ी थी, जब उन्होंने सुप्रीमकोर्ट के हवाले से मोदी को चौकीदार चोर कहा था। बाद में सारे मोदी चोर कह कर बुरी तरह फंस गए हैं और अब अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। गालीगलौज कांग्रेस की भाषा में शामिल हो चुका है। हालांकि यह उनकी पारिवारिक विरासत नहीं है, क्योंकि वे खुद को फिरोज गांधी के वारिस नहीं मानते, खुद को नेहरू और इंदिरा परिवार के वारिस मानते हैं, इसलिए उस परिवार से उनकी तुलना करनी चाहिए। नेहरू और इंदिरा गांधी ने अपने विरोधियों के लिए गालीगलौज की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया था। गालीगलौज की भाषा सोनिया गांधी से शुरू हुई, जिनकी परवरिश इटली में हुई है। सोनिया गांधी ने सिर्फ नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। 2002 के दंगों पर बिना किसी अदालत का फैसला आए सोनिया गांधी ने उन्हें मौत का सौदागर कह दिया था, जबकि किसी हत्यारे को भी तब तक हत्यारा नहीं कह सकते, जब तक उस पर आरोप साबित न हो जाए। इससे पहले सोनिया गांधी ने अटल बिहारी वाजपेयी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। संसद सत्र के सत्रावसान पर प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता का भाषण हुआ करता था, उसे इसलिए बंद करना पड़ा क्योंकि विपक्ष की नेता के नाते समापन भाषण की मर्यादा भी सोनिया गांधी ने तोड़ दी थी। सोनिया गांधी की यह परंपरा कांग्रेस में दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रही है। कांग्रेस का हर नेता हर चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगा है। जब जब कोई नई गाली निकाली जाती है, तब तब लोग पुरानी बातें भी याद करते हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को जहरीला सांप कह दिया। इससे पहले गुजरात विधानसभा के चुनाव में उन्होंने मोदी को रावण कह दिया था। नरेंद्र मोदी विपक्षी नेताओं की बदजुबानी को भुनाने का मौका क्यूं चूकें, सो वह हर बार उस मौके को भुनाते हैं। इस बार भी कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में उन्होंने बताया कि कांग्रेसियों ने उन्हें अब तक 91 गालियां निकाली हैं। कांग्रेस को हर चुनाव में मोदी के बारे अपशब्द कहना भारी पड़ता है। लेकिन अपनी गलतियों से कोई सबक नहीं सीखती। कांग्रेस के नेता नरेंद्र मोदी को गालियां देना बंद नहीं कर रहे। हालांकि कई बार झेंप मिटाने के लिए कह देते है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा था।

इस्तीफा देकर क्या पाना चाहते हैं पवार?

गंगाधर ढोबले

शरद पवार की एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा से महाराष्ट्र की राजनीति में अचानक भूचाल आ गया। पिछले चार वर्षों से राज्य में एक के बाद एक राजनीतिक धमाके होते रहे, लेकिन उनके केंद्रबिंदु शरद पवार ही थे। उन्हें माइनस कर प्रदेश राजनीति की कल्पना करना संभव नहीं है। मास्टरस्ट्रोक लगाना उनकी खासियत रही है। उनके पिछले कुछ दांव देखें तो इस इस्तीफे का रहस्य समझना कुछ आसान हो सकता है। पवार ने 1978 में प्रदेश की पहली गैर-कांग्रेसी और मिली-जुली सरकार बनाई थी। तब आपातकाल के कारण कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था और केंद्र में जनता पार्टी सत्ता में आ गई थी। पवार ने समय का संकेत समझकर बगावत कर दी और वसंत दादा पाटील जैसे दिग्गज की सरकार गिरा दी। उसके बाद जनता पार्टी के समर्थन से खुद मुख्यमंत्री बन गए। 1980 के चुनाव के दौरान उन्होंने समाजवादी कांग्रेस बनाई। लेकिन चुनाव के बाद कांग्रेस बहुमत में आई और अंतुले मुख्यमंत्री बन गए। कांग्रेस फिर से ताकतवर होती दिखाई दी। मौका देखकर 1987 में उन्होंने समाजवादी कांग्रेस का राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस में विलय कर दिया। 1999 में पवार ने कांग्रेस से फिर बगावत की। सोनिया गांधी के विदेशी मूल को मुद्दा बनाते हुए उन्होंने पीए संगमा और तारिक अनवर को साथ लेकर नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नाम से अलग दल बनाया।

साफ है कि बगावत और संघर्ष पवार के राजनीतिक जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। वह चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने, लेकिन कभी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। फिर भी प्रदेश राजनीति का सूत्र संचालन करते रहे। मौके के साथ रोटी पलटना उन्हें आता है। कुछ लोग इसे मौकापरस्ती कहते हैं। लेकिन, अवसर झपटना ही तो राजनीति होती है। सवाल यह है कि इस बार पार्टी से इस्तीफा देकर शरद पवार कौन सा अवसर झपटना चाहते हैं? दूसरा सवाल है कि क्या वह जनदबाव को देखते हुए अपना इस्तीफा वापस लेंगे? जवाब के रूप में कुछ संभावनाएं उभरती हैं।

पहली, पवार कार्यकर्ताओं के प्रचंड दबाव का सम्मान कर इस्तीफा वापस ले लें। उन्होंने मंगलवार को अपनी राजनीतिक आत्मकथा 'लोक माझे सांगाती' (मेरे संगी-साथी) के लोकार्पण समारोह में जैसे ही इस्तीफे की घोषणा की, सभी नेता-कार्यकर्ता सन्न रह गए। जयंत पाटील, जितेंद्र आव्हाड जैसे कई दिग्गज तो रोने लगे। धरना-अनशन शुरू हुआ। जिलों से पदाधिकारियों के इस्तीफों का दौर शुरू हो गया। भतीजे अजित पवार और बेटी सुप्रिया सुले के समझाने और दो-तीन दिन में अंतिम फैसला करने के शरद पवार के आश्वासन के बाद ही अनशन खत्म हुआ, इस्तीफों का दौर थमा। राज्य के लगभग सभी दलों के नेताओं ने भी पवार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। इन सबसे यह संभावना बनती है कि पवार अपना इस्तीफा वापस ले लें। दूसरी, शरद पवार अपनी घोषणा पर अड़े रहें और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की समिति नए अध्यक्ष का चयन करे। अजित पवार और सुप्रिया सुले के नाम संभावित अध्यक्ष के रूप में चर्चा में हैं। लेकिन फिलहाल इन दोनों में से कोई नाम चुनना शायद राजनीतिक समझदारी न हो। इतना तय है कि जो भी नाम आएगा, वह शरद पवार की सलाह मानने वाला होगा। तीसरी, पवार ने राजनीतिक संन्यास लेने की घोषणा नहीं की है। वह राजनीति में रहेंगे ही, केवल पार्टी के अध्यक्ष नहीं होंगे। ऐसे में, पवार अध्यक्ष पद छोड़ें या न छोड़ें, पार्टी की कमान उनके ही हाथों में रहेगी। शरद पवार इन बातों को नहीं जानते, ऐसा तो नहीं है। फिर उन्होंने अचानक इस्तीफा क्यों दिया? कहते हैं, पार्टी और परिवार में संभावित फूट को रोकने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। हो सकता है कि उन्हें अपने भतीजे अजित पवार को खास संदेश देना हो। पवार के इस दांव के कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। अजित पवार के बारे में अफवाहों की बाढ़ आई हुई है। उन्होंने खुद ही कहा है कि वह मुख्यमंत्री बनना पसंद करेंगे। शिंदे गुट के 16 विधायक सुप्रीम कोर्ट से अयोग्य घोषित हो गए तो उस स्थिति में मुख्यमंत्री पद खाली हो सकता है; क्योंकि इन विधायकों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी हैं। तब बीजेपी को सरकार बचाने के लिए अजित पवार की जरूरत होगी। अजित पहले की तरह अचानक पांसा बदल सकते हैं। इस अंदेशे के कारण सुप्रिया को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। सुप्रिया शरद पवार बेटी और अजित भतीजे हैं। इस तरह भाई-बहन में कलह हो सकती है। इससे बचने के लिए शरद पवार ने इस्तीफा दिया है।

दूसरा तर्क यह है कि अजित की बगावत से पार्टी में बड़ी फूट हो सकती है। उस फूट को रोकने के लिए शरद पवार ने इस्तीफे का यह दांव चला है। 2024 के चुनावों के पूर्व नए समीकरण बनने के संकेत के रूप में भी शरद पवार के इस्तीफे को देखा जा रहा है। पार्टी के अध्यक्ष पद से मुक्त होने पर उन्हें अधिक समय मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को संगठित करने में सहूलियत होगी। पिछले वर्ष जब शरद पवार फिर से पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे, तब अजित पवार वहां से तुरंत उठकर चल दिए थे। अजित की नाराजगी को तब अनदेखा कर दिया गया था। अब शरद पवार के अचानक पद छोड़ने का यह अर्थ भी लगाया जा रहा है कि अजित को लेकर कुछ गंभीर मंथन चल रहा है।

महाराष्ट्र में राजनीति इस समय इतनी अस्थिर है कि जितने मुंह उतनी बातें। लिहाजा, शरद पवार की अगली भूमिका क्या होगी, इसके लिए अगले हफ्ते तक इंतजार करना होगा। हालांकि कार्यकर्ताओं को उन्होंने पुनर्विचार के लिए दो-तीन दिन का समय देने के लिए कहा है। जो हो, एक बात तो पक्की है कि जिस पार्टी को उन्होंने वर्षों की मेहनत से गढ़ा है, उसे जीते-जी यूं ही ढहने नहीं देंगे। इसलिए अब अगले धमाके का इंतजार करना होगा।

कृपया इनसे सीखें — दृढ़ संकल्प के धनी दशरथ माँझी

त्रेतायुग में राजा भगीरथ ने अपने पुरखों के उद्धार के लिए कठोर तपस्या करके गंगा को धरती पर उतारा था कलियुग में ऐसी ही भगीरथ तपस्या बिहार के गरीब व अनपढ़ बनवासी दशरथ माँझी ने की और अपने गाँव वालों के लिए पहाड़ काटकर रास्ता बनाने में अपना यौवन न्यौछावर कर दिया। जीते जो किंवदन्ती बन चुके दशरथ की जीवन गाथा अकल्पनीय है। पचहत्तर वर्षीय दशरथ माँझी का इन दिनों बिहार सरकार, दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज करवा रही है। इस वजह से मीडिया के कुछ वर्गों का ध्यान उनकी ओर गया अन्यथा इस वनवासी की अविश्वसनीय शौर्य गाथा बिहार व झारखण्ड के ग्रामीण व वनवासी इलाकों तक ही सीमित है। एक गरीब परिवार के अनपढ़, अभावग्रस्त व्यक्ति का यह संकल्प, साहस, प्रयास और कामयाबी अलौकिक संघर्ष गाथा है। दशरथ माँझी का जीवन खासतौर पर गरीब के बच्चों को अभाव में भी संकल्प और साहस के साथ लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। करीब पाँच दशक पूर्व बिहार के एक पहाड़ी गाँव के बाईस वर्षीय दशरथ माँझी का नया अवतार तब हुआ, जब उसकी गर्भवती पत्नी अस्पताल नहीं पहुँच पाने के कारण मौत के मुँह में चली गयी। दरअसल, अस्पताल पहाड़ी के दूसरी ओर स्थित था, जहाँ पहुँचने के लिए करीब बीस किलोमीटर पैदल रास्ता तय करना पड़ा था। इस घटना ने दशरथ माँझी को झकझोर कर रख दिया। उसने संकल्प लिया कि वह पहाड़ काटकर रास्ता बनायेगा ताकि भविष्य में इन हालात में किसी को कष्ट नहीं हो। इसके बाद पहाड़ काटना उसके जीवन का एकमात्र मकसद बन गया। उसके गाँव के लोग ही यह सोचकर उसके संकल्प का उपहास करते थे कि पत्नी की मृत्यु के शोक ने उसे मानसिक असन्तुलन की स्थिति में ला दिया है।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1961 कमांडर ऐलन शेपर्ड अटलांटिक महासागर में अपने अंतरिक्ष यान से उतरे थे।
1975 वर्जीनिया में बुश गार्डन्स विलियमस्बर्ग थीम पार्क खोला गया।
1980 ब्रिटिश स्पेशल एयर सर्विस ने ईरानी अरब अलगाववादियों द्वारा जब्त किए जाने के छह दिन बाद, ईरानी दूतावास पर हमला किया।
1981 भोजन के बिना छत्तीस दिनों के बाद, एचएम प्रिजन भूलभुलैया में आयरिश गणतंत्र बॉबी सैंड्सडाइड ने भुखमरी का सामना किया।
1991 वाशिंगटन, डीसी में दंगे भड़क गए, एक बदमाश पुलिसवाले ने सल्वाडोर के आदमी को सीने में गोली मार दी।
1994 ब्रिटेन में स्थानीय चुनाव में लेबर पार्टी ने कंजरवेटिव पार्टी को हराया।
2000 मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि ग्रह 5 मई, 2000 को सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी के संयोजन में दिखाई दिए, जो कि खगोलीय इतिहास में एक दुर्लभ घटना थी जो 6,000 साल पहले हुई थी।
2005 टोनी ब्लेयर की लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के आम चुनावों में लगातार तीसरे कार्यकाल में फिर से चुनाव् जीता।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शारीरकोपानषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध ये सभी पृथिवी तत्त्व के गुण कहे गये हैं। शब्द, स्पर्श, रूप और रस-ये सभी जल तत्त्व के गुण बताए गये हैं। शब्द, स्पर्श और रूप ये तीनों अग्नि तत्त्व के गुण कहे गये हैं। शब्द तथा स्पर्श वायु तत्त्व के गुण बताये गये हैं और आकाश तत्त्व का मात्र एक ही गुण शब्द कहा गया है।

सात्त्विक, राजस और तामस इन तीन लक्षणों से युक्त ये तीन गुण कहे गये हैं। अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, क्रोध न करना, गुरु की सेवा करना, शुचिता (पवित्रता), संतोष, सरलता, अमानिता का भाव, दम्भ न करना, आस्तिकता, हिंसा न करना आदि ये सभी गुण विशेषतया सात्त्विक स्वभाव वाले मनुष्यों के कहे गये हैं। मैं कर्ता हूँ, मैं भोक्ता अर्थात् भोग करने वाला हूँ, मैं वक्ता (बोलने वाला) हूँ इस तरह के अभिमान युक्त गुण, राजस स्वभाव वाले मनुष्यों के बताए गए हैं। निद्रा, आलस्य, मोह, आसक्ति, मैथुन और चौर कृत्य- ये समस्त गुण तामस वृत्ति से युक्त मनुष्यों के कहे गये हैं। सर्वश्रेष्ठ ऊर्ध्व पद सात्त्विक गुण को कहा गया है, राजस गुण को मध्यम तथा तामस गुण को अधम बताया गया है। पूर्णसत्य (ब्रह्म) ज्ञान सात्त्विक है। धर्मज्ञान राजस है और अन्धकार से युक्त अर्थात् तिमिरान्ध (अधर्ममूढ़ता) ही तामस है। जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति और तुरीय ये चार अवस्थाएँ हैं। जाग्रत् अवस्था में ज्ञानेन्द्रिय, कर्मेन्द्रिय तथा चार अन्त:करण मिलकर के चौदह करण (सक्रिय) रहते हैं। स्वप्नावस्था में चार अन्त:करण संयुक्त रूप से (सक्रिय) रहते हैं। सुषुप्ति अवस्था में केवल चित्त ही एक करण (सक्रिय) रहता है तथा तुरीयावस्था में केवल जीवात्मा ही रह जाता है। उन्मीलित (अर्थात् खुले हुए) तथा निमीलित (अर्थात् बन्द नेत्रों) की मध्य स्थिति में जीव और परमात्मा के बीच में जीवात्मा क्षेत्रज्ञ होता है। ज्ञानेन्द्रिय, कर्मेन्द्रिय, पाँच प्राण, मन एवं बुद्धि इन सत्रह का सूक्ष्म स्वरूप लिङ्ग शरीर कहा गया है, ऐसा जानना चाहिए। मन, बुद्धि, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथिवी ये आठ प्रकृति के विकार कहे गये हैं। इनके अतिरिक्त सोलह विकार और बताये गये हैं। श्रोत्र, त्वचा, चक्षु, जिह्वा तथा घ्राणेन्द्रिय-ये पाँच विकार तथा गुदा, उपस्थ (जननेन्द्रिय), हाथ, पैर, तथा वाक्ये पाँच और शब्द, स्पर्श, रूप, रस एवं गन्ध-ये पाँच, ये सभी तथा उपर्युक्त मन आदि अष्टविकार मिलकर प्रकृति के (8+5+5+5 23) तेईस तत्त्व हुए। **क्रमश: ...**

बुद्ध पूर्णिमा: सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे गौतम बुद्ध

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन एवं कर्म कालजयी, सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक होता है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है। गौतम बुद्ध हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं, बुद्ध पूर्णिमा को उनकी जयंती मनाई जाती है और उनका निर्वाण दिवस भी बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही हुआ था। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। बुद्ध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। उनको सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु में से एक माना जाता हैं। उन्होंने न केवल अनेक प्रभावी व्यक्तियों

बल्कि आम जन के हृदय को छुआ और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों की जीवन दिशा को बदला। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचें कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया।

पाकिस्तान संकट के बीच बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा

रहीस सिंह

भारत-पाकिस्तान संबंध इतिहास के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं, भले ही हम इस निष्कर्ष पर न पहुंच पाएं लेकिन यह सही है कि पाकिस्तान इतिहास के सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। यह आवाज तो अब पाकिस्तान के अंदर से भी आ रही है और आवाज पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी की है। उन्होंने अभी कुछ दिन पहले ही कहा था कि पाकिस्तान इस समय जैसी गंभीर आर्थिक और राजनीतिक स्थिति से गुजर रहा है, वैसी पहले कभी नहीं देखी। ऐसे समय में 4-5 मई को गोवा में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा को किस नजरिये से देखा जाना चाहिए? द्विपक्षीय रिश्तों की दृष्टि से इस यात्रा के क्या कोई कूटनीतिक मायने भी हो सकते हैं? दरअसल भारत इस समय शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अध्यक्ष है। इस दृष्टि से भारत की ओर से सभी एससीओ सदस्यों को निमंत्रण भेजा गया। पाकिस्तान भी उन्हीं में से एक है। यानी इसे द्विपक्षीय कूटनीतिक पहल का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। फिर भी यदि पाकिस्तानी कूटनीतिकार और थिंक टैंक इस पर फोकस कर रहे हैं तो इसे किस नजरिये से देखा जाए? दरअसल पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्रियों की गोवा एससीओ बैठक में बिलावल भुट्टो की संभावित उपस्थिति को एससीओ चार्टर और उसके तरीकों में पाकिस्तान की निरंतर प्रतिबद्धता व विदेश नीति की प्राथमिकता के

तौर पर पेश किया है।

इसका तात्पर्य तो यही हुआ कि इस यात्रा का उद्देश्य बाइलेटरल डिप्लोमेसी नहीं है बल्कि बहुपक्षीय संवाद (मल्टीलेटरल डायलॉग) है। फिर तो यह बात भी मायने नहीं रखती कि पाकिस्तान के किसी नेता की करीब नौ वर्ष बाद भारत यात्रा संपन्न हो रही है। इससे पूर्व पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 2014 में भारत आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ओथ डिप्लोमेसी' का हिस्सा बने थे। इसी समय भारत ने नेबरहुड फर्स्ट की विदेश नीति पर चलने का निर्णय लिया था और प्रधानमंत्री ने इसे पुख्ता करने के लिए 'हार्ट-टू-हार्ट डिप्लोमेसी' का उदाहरण भी प्रस्तुत किया था। लेकिन पाकिस्तान अपने परंपरागत मनोविज्ञान को नहीं बदल पाया। इसकी परिणति 2019 में पुलवामा हमले के रूप में दिखी, जिसका परिणाम था भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक। कहने का तात्पर्य यह कि भारत के अच्छे प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान उसी मानसिक धरातल पर खड़ा दिखा जहां वह 1965, 1971 या 1999 के समय खड़ा था या फिर प्रॉक्सी वॉर की उस सतह पर जिसकी शुरुआत उसने 1990 के दशक से की थी।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को पाकिस्तान की इस पारंपरिक मनोदशा से बहुत अलग करके नहीं देखा जा सकता। लेकिन पाकिस्तान आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें जरूरी है कि भारत के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बेहतर हों। मोटे तौर पर तो वहां आर्थिक राजनीतिक संकट को ही देखा जा रहा है। लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान इस समय संवैधानिक संकट से भी गुजर रहा है, विशेषकर पंजाब और पख्तूनख्वा पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पश्चात सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद की सरकार के बीच टकराव के बाद। ऐसी स्थितियां बीते समय में पाकिस्तान की सेना के लिए नए अवसर उपलब्ध कराती रही हैं। ऐसे अवसर पाकिस्तानी सेना को मार्शल लॉ के लिए स्पेस देते रहे हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद अब्बासी जैसे नेता सेना के इतिहास दोहराने की शंका जताते हुए दिख रहे हैं। कुछ पाकिस्तानी विश्लेषक बिलावल भुट्टो की इस यात्रा को 'सामरिक' और 'आगे की ओर उठाया गया कदम' बता रहे हैं। लेकिन तकनीकी दृष्टि से ऐसा नहीं है। कुछ इस बात को अधिक तरजीह दे रहे हैं कि करीब 9 साल बाद पाकिस्तान का कोई नेता भारत आ रहा है। अत: बिलावल भुट्टो की भारत में मौजूदगी बातचीत के दरवाजों को फिर से खोल सकती है। लेकिन ऐसी संभावनाओं पर चलकर निष्कर्ष निकालना अतार्किक सा लगता है। विशेषकर तब जब पाकिस्तान अभी भी उसी मनोदशा में हो और आतंकवाद को अभी भी पोषण दे रहा हो। हां पाकिस्तान जिन संकटों से घिरा हुआ है या जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है उनके चलते यह हो सकता है कि वह भारत की तरफ हाथ बढ़ाना चाह रहा हो। इसके लिए वह शंघाई कोऑपरेशन जैसे मंच को गेटवे ऑफ डिप्लोमेसी के तौर पर देख रहा हो। लेकिन ऐसा है नहीं। वह तो तभी संभव हो सकता है जब भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय वार्ता के लिए डिप्लोमेटिक टेबल पर एक साथ बैठें। फिलहाल इसकी संभावना अभी कम है।

फिलहाल पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति खतरनाक है, अर्थव्यवस्था की हालत बेहद बुरी है, तेल, खाने के सामान आदि के दाम तेजी से बढ़े हैं और पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हुआ है। ये चीजें यह बताती हैं कि चीन भी अपने 'ऑल वेदर' मित्र को संकटों से उबारने में नाकाम रहा है। उसके कुछ अन्य समधर्मी मित्र भी उसे घुटने टेकने से नहीं बचा पाए हैं। इसलिए भारत अब उसकी जरूरत बन चुका है। ऐसे में उसका भारत की ओर देखना स्वाभाविक है भले ही वह आंख मिलाकर न सही पर आंख चुराकर देखने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन क्या भारत भी उसकी तरफ देखेगा? या क्या उसे देखना चाहिए? फिलहाल तब तक तो नहीं जब तक पाकिस्तान अपने उस मूल चरित्र को बदलने के लिए तैयार न हो। ध्यान रहे कि पाकिस्तान भारत को दुश्मन के रूप देखता है, एक मित्र या पड़ोसी के रूप में नहीं। फिर तो पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा को द्विपक्षीय कूटनीति के संदर्भ में देखना संभवत: 'प्रिमैच्योर बिहैवियर' ही माना जाएगा, परिपक्वता का प्रमाण नहीं।

बापू की दिनचर्या

प्रात: कालीन प्रार्थना (भाग-3)

गतांक से आगे...

दक्षिण अफ्रीका के बापू के फिनिक्स-आश्रम में सुबह की प्रार्थना का नियम नहीं था। गोलमेज सम्मेलन के समय लंदन में बापू सुबह तीन बजे उठकर प्रार्थना करने बैठ जाते। अपने साथ के लोगों को भी वे उठा देते, जो दिनभर काम करने के कारण थकान से चूर रहते और इसलिए निद्रा में बेसुध पड़े होते। सन् 1916 में कोचरब-आश्रम में प्रात: कालीन प्रार्थना स्नान के बाद छह बजे होती और सन् 20 के लगभग चार बजे । सन 27 में साबरमती आश्रम में ठीक चार बजे बापू प्रार्थना सभा में पहुँच जाते। वहाँ संगीताचार्य खरेजी के सहयोग से प्रार्थना सस्वर होती। वे तंबूरे पर प्रार्थना और भजन गाया करते। उन्होंने प्रार्थना में रस-वृष्टि की और भजन के साथ रामधुन शुरू की। जिस आश्रम-भजनावलि से आज असंख्य जन आनन्दलाभ करते हैं, उसे बापू उन्हीं की कृति मानते, क्योंकि उसके निर्मित करने में उनका बड़ा हाथ था। साबरमती आश्रम के आरंभ से बापू की प्रातःकालीन प्रार्थना का समय चार बजकर बीस मिनट निश्चित हुआ। अंतिम दिनों में जब बापू बहुत थके रहते तब आश्रम की सुबह की प्रार्थना उनके शयन के स्थान पर होती और वे लेटे-लेटे सबके संग उसमें भाग लेते। पाँच बजे तक प्रार्थना का कार्यक्रम चलता। पं. बनारसीदास चतुर्वेदीजी ने साबरमती की प्रात:कालीन प्रार्थनासभा का अत्यंत सजीव चित्रण किया है। उनके शब्दों में जिस किसी को उन दिनों बापू के आश्रम में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ होगा, वह उस पुण्यसलिला साबरमती के तट और उसके तपस्वी को कैसे भूल सकता है? प्रात:कालीन प्रार्थना का दृश्य अब भी आँखों के सामने नाच जाता है। ऊपर आकाश में सुंदर तारागण, सामने शीतल मंदवाहिनी साबरमती, चारों ओर स्वच्छ वायु सुनने के लिए गायनाचार्य शास्त्री खरे का मधुर स्वर और दर्शन के लिए संयम-मूर्ति गांधीजी! उस समय नित्यप्रति प्रार्थना के बाद दोनों समय शांतिपूर्ण वायुमंडल में, गंभीर स्वर में और प्राय: गुजराती में बापू कुछ-न-कुछ अवश्य कहते। प्रात:काल के पाँच बजते-बजते उनका प्रवचन समाप्त हो जाता। उस समय चारों ओर बिलकुल सन्नाटा रहता, साबरमती का जल मंद गति से बहते हुए मानो धीरे-धीरे संयम-संयम कहता, चिड़ियों की चहचहाहट मानो संयम के उपदेश से परिपूर्ण होती और उस स्तब्ध वातावरण में वही शब्द गूँजता। **क्रमश:...**

संक्षिप्त समाचार

पुष्पा सम्हालेगी जिला पंचायत दुर्ग का अध्यक्ष पद

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष पद पर

कांग्रेस समर्थित पुष्पा यादव विराजमान होंगी पुष्पा ने भाजपा समर्थित हर्षा चंद्राकर को पराजित कर अध्यक्ष की कुर्सी पर काबिज हुई। जिला पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष यह पद श्रीमती शालिनी यादव के निधन के बाद रिक्त हुआ था।अध्यक्ष पद के लिए आज गुरूवार को चुनाव कराया गया जिसमें कांग्रेस समर्थित पुष्पा यादव ने भाजपा समर्थित हर्षा चंद्राकर को पराजित किया। कांग्रेस को 7 मत मिले वहीं भाजपा को 4 मत मिले।

मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन की सहयोग से पुष्पलता बनी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

कांकेर। हर रोज निकलने वाला सूरज हमें कितनी सीख दे जाता है, कैसे राज की बात सूरज की रौशनी उजाला के साथ उम्मीदों के नया सबेरा लाती है। संघर्षों के साथ अपनी मंजिलों की ओर चलने वाले विकासखण्ड चारामा के ग्राम डोकला निवासी चेतन राम साहू के जीवन में एक नया सबेरा आया। श्रम विभाग द्वारा संचालित योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत मजदूर चेतन राम साहू अपनी होनहार बेटी पुष्पलता साहू को पढ़ा-लिखाकर एक अच्छी जिंदगी देना चाहते थे, लेकिन आर्थिक मजबूरियां उनके रास्ते का रोड़ा बनकर खड़ी हो जाती थी। ऐसे समय में राज्य सरकार की मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना ने उन्हें मंजिल दिखाई। बेटी पुष्पलता साहू को बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई के लिए रस्तोगी कॉलेज ऑफ नर्सिंग भिलाई में दाखिला कराया। इस दौरान श्रम विभाग द्वारा प्रदान की गई प्रोत्साहन राशि ने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का मौका दिया। उनके पिताजी चेतन राम ने बताया कि मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत् प्रथम किस्त के रूप में 17 हजार रूपये और द्वितीय किस्त 16 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि मिला, जिससे मैं अपनी बेटी की नर्सिंग के पढ़ाई पूर्ण करवा पाया।

विधायक ने रसोई घर निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया

नगरी। सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव के द्वारा ग्राम पंचायत कुकरेल में आदिवासी भवन में रसोई घर निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के वरिष्ठ जन, सरपंच कुकरेल ओमबती, जनपद सदस्य काँटाकुर्रीड श्रीमति संतोषी साहू, जिला प्रवक्ता महिला कांग्रेस श्रीमति सविता सोन, भूषण साहू ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष नगरी, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कुकरेल करण चंद्राकर, अनिता शर्मा महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुकरेल, कमल नारायण सिन्हा उपस्थित रहे।

फुंडा मे युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम फुण्डा में युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ के बारे में लोगो को अवगत कराने का बात रखा गया । आगामी चुनाव को लेकर चर्चा की गई इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुमित चन्द्राकर(अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा)योगेश चंद्राकर ,सौरभ चन्द्राकर, डेविड बघेल ,मोनू चन्द्राकर,वेदांश बघेल , अमन कॉशरे , मुकेश कौशरे ,रूपेश वर्मा, यश वर्मा ,अमरदास, रूपेश कुमार,राहुल कुमार,सौरभ वर्मा ,विनय वर्मा ,प्रणव वर्मा ,कुशल कुमार ,शितल ,सागर,निशांत , गजेंद्र ,आलोक वर्मा,कुणाल वर्मा,साहिल वर्मा,बादल यादव ,विक्रम यादव ,मनीष ,भावेश यादव,दीपक ठाकुर, दीपक चंदेल,सुनील वर्मा, कुलदीप, सोमनाथ वर्मा , चेतन, विक्रांत चंदेल अन्य उपस्थित थे।

उतई में 10 को मंडल कार्यालय का उद्घाटन

दुर्ग। उतई नगर के मनोहर प्लाजा मे 10 मई की दोपहर 3 बजे उतई भाजपा मंडल के कार्यालय का सुभारम्भ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता जितेन्द्र वर्मा, जिलाअध्यक्ष भाजपा करेगे। विशिष्ट अतिथि गौरीशंकर श्रीवास, विधानसभा प्रभारी, पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, पूर्व विधायक जागेश्वर साहू, जिला महामंत्री ललित चन्द्राकर, ,सुरेंद्र कौशिक, , जिला मंत्री रोहित साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माया बेलचंदन,जिला सहकारी केन्दीय बैंक दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन होंगे।

पहलवानों पर हमले, ये कैसा अमृतकाल : भूपेश बघेल

रायपुर। घोटाले के चैम्पियनों से दोस्ती निभाई जा रही है, खेल के चैम्पियनों पर हमले हो रहे हैं। ये कैसा अमृतकाल है? मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नई दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस के बीच हुए झड़प की खबर के बाद आज भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला करते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि यह कैसा अमृतकाल है, जिसमें घोटालों के चैम्पियनों से दोस्ती निभाई जा रही है और खेल के चैम्पियनों पर हमला किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कल देर रात जंतर मंतर में धरने पर बैठे पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, बबीता फोगाट के साथ धरने पर बैठे अन्य पहलवानों पर पुलिसिया कार्रवाई देखने को मिली थी। इस पर पहलवानों ने आरोप लगाया था कि पुलिस वालों ने उनके साथ बदतमीजी, गाली गलौज के साथ मारपीट भी की है ।

धर्म की आड़ में बच्चों को क्या बना दिया : भूपेश

बजरंग दल के एक प्रदर्शनकारी ने मुख्यमंत्री को गाली दी,ट्वीट कर मुख्यमंत्री ने उस बच्चे के उज्जवल भविष्य की कामना की

रायपुर। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बजरंग दल पर प्रतिबंध के चुनावी वादे का असर छत्तीसगढ़ में भी नजर आने लगा है। दरअसल, रायपुर में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान बजरंग दल के एक प्रदर्शनकारी ने मुख्यमंत्री को गाली दे दी। इसका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस वीडियो को ट्वीट कर बजरंग दल पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।धर्म की आड़ में बच्चों को क्या बना दिया?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बच्चे के वीडियो के साथ ट्वीट किया कि भगवान राम का नाम लेने से परहेज कर रहा यह बच्चा मुझे गाली दे रहा है। यह बजरंग दल का सदस्य है। धर्म की आड़ में इन लोगों ने हमारे बच्चों को क्या बना दिया है देखिए। मैं इस बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। ईश्वर सभी बच्चों को हनुमान जी की तरह ज्ञानवान और बलवान बनाए। वीडियो में बच्चे के हाथ में बजरंग दल का झंडा है।

बजरंग दल पर प्रतिबंध मामले पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीखे तेवर दिखाते हुए संकेत दिया कि प्रदेश में जरूरत पड़ी तो बजरंग दल पर प्रतिबंध से पीछे नहीं हटेंगे। राजधानी के दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि जरूरत पड़ी तो छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दल को प्रतिबंधित करने की सोचेंगे। अभी कर्नाटक की समस्या के हिसाब से वहां बैन करने की बात कही गई है।

गाली देने वालों को सद्बुद्धि देने कांग्रेस का सुंदरकांड पाठ

रायपुर। सोशल मीडिया पर सूबे के मुखिया भूपेश बघेल को गाली देने वाले बच्चे तथा बजरंग दल द्वारा प्रतिबंध को लेकर किए जा रहे प्रदर्शन के खिलाफ कांग्रेस ने गुरुवार को राजीव गांधी चौक स्थित हनुमान मंदिर के सामने सुंदरकांड का पाठ किया और कहा कि गाली देने वालों को भगवान सद्बुद्धि दें। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर गाली देने वाले इस बच्चे के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मुख्यमंत्री ने उसे माफ कर दिया था। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे की अगुवाई में रायपुर के राजीव गांधी चौक स्थित हनुमान मंदिर के सामने पार्टी के कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इस दौरान सभी कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गाली देने वालों को सद्बुद्धि देने के लिए सुंदरकांड का पाठ किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे, महापौर एजाज ढेबर, निगम सभापति प्रमोद दुबे, उधो राम वर्मा, कन्हैया अग्रवाल, प्रमोद चौबे, सुरेश ठाकुर, प्रशांत ठेंगडी, नवीन चंद्राकर, अविनय दुबे सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 05 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सभी बौद्ध धर्मावलम्बियों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि महात्मा बुद्ध ने लोगों को अहिंसा, समानता और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उनकी शिक्षा को विदेशों में भी लागों ने अपनाया और लाखों अनुयायी उनके दिखाये मार्ग पर चल कर देश-दुनिया को शांति का संदेश दे रहे हैं। श्री बघेल ने कहा कि गौतम बुद्ध के उपदेश हर परिस्थिति और काल में प्रासंगिक हैं। उनकी दी गई शिक्षा हमें संयम से आगे बढने् का संदेश देती है। महात्मा बुद्ध के विचार और जीवन मूल्य एक बेहतर समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा मार्गदर्शक रहेंगे।

9 मई बस्तर बंद के लिए जनजागरूकता जारी बंद के बाद शुरू होगा रेल रोको आंदोलन

जगदलपुर। रावघाट रेल परियोजना का काम पिछले कई वर्षों से अधूरे पड़े काम को शुरू करवाने रेल आंदोलन के सदस्य लगातार आवाज उठा रहे हैं लेकिन जिम्मेदार इस काम को पूरा करवाने कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। रेल आंदोलन के सदस्यों का कहना है कि रेल मंत्रालय या फिर केंद्र सरकार की तरफ से काम शुरू करने कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिसे लेकर अब 9 मई को बस्तर बंद का आयोजन किया गया है। बस्तर बंद को सफल बनाने के लिए रेल आंदोलन के सदस्य लगातार जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं, व्यापारियों ने तथा बस्तर चेंबर ऑफ कामर्स ने बंद का समर्थन किया है। रेल आंदोलन के सदस्यों का कहना है कि फिलहाल बस्तर बंद का आह्वान किया गया है। यदि फिर भी रेलवे के द्वारा काम शुरू नहीं किया गया तो फिर अनिश्चित कालीन रेल रोको आंदोलन किया जाएगा।

रेल आंदोलन के सदस्य संपत झा ने कहा कि बजट में रेल लाइन को मंजूरी दी जा चुकी है। लेकिन फिर भी जगदलपुर-रावघाट परियोजना का काम अधूरा पड़ा है।

काम को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है। उन्होने बताया कि रेल आंदोलन के सदस्यों ने ओडिशा में रेल मंत्री स मुलाकात कर अधूरे परियोजना को पूरा करवाने करवाने के लिए कहा गया था, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं किया गया है। उन्होने कहा कि रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन का बजट भी सिर्फ कागजों में ही है जबकि जगदलपुर-किरंदुल एवं जगदलपुर-कोरापुट रेललाइन दोहरीकरण के लिए रेल विभाग जमीन पर उतरकर काम कर रहे हैं। बस्तरवासियों के लिए रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग को लेकर कुछ महीने पहले अंतागढ़ से जगदलपुर तक पैदल यात्रा भी किए थे लेकिन इसका भी कोई असर नही पड़ा। बस्तर बंद के बाद अब रेल आंदोलन रेल रोको की ओर अग्रसर होगा।

आप प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी का केंद्र पर आरोप, बोले-

पार्टी ईमानदार, विपक्ष को कर रहे परेशान

रायपुर। देश के इतिहास में पहली बार किसी जांच एजेंसी ने किसी नेता से पत्र लिखकर माफी मांगी है कि गलती से नाम एफआईआर में दर्ज हो गया। ये दर्शाता है कि सरकार विपक्षी नेताओं को किस तरह से परेशान कर रही है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि %आप% के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने चिट्ठी लिखकर माफी मांगी है। इससे केंद्र की मोदी सरकार का चरित्र उजागर हो गया है।

कोमल हुपेंडी ने कहा कि ईडी ने पत्र लिखकर बताया कि राज्यसभा सांसद संजय सिंह का नाम गलती से चार्जशीट में आया। ईडी ने अपनी गलती स्वीकार की है। इससे स्पष्ट होता है कि यह पूरा मामला ही फर्जी है। मोदी सरकार आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जी से डर गई है। बीजेपी शुरु से ही बेबुनियाद आरोप लगाती रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों को आगे करके अरविंद केजरीवाल जी और

पार्टी के अन्य नेताओं की छवि खराब करने कोशिश कर रही है। बीजेपी अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है।

आप प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार की नाकामियों उजागर होने लगी हैं। आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने से बीजेपी पूरी तरह से डरी हुई है। ऐसे में स्पष्ट होता है कि आम आदमी पार्टी की छवि बिगड़ने के लिए बीजेपी और उनके नेताओं ने इस तरह का षड्यंत्र रचा, इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेता बीजेपी के सामने झुके नहीं, कभी डरे नहीं। उन्होंने कहा कि बीजेपी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर डराने, धमकाने और दबाने का काम कर रही है। लेकिन आम आदमी पार्टी का एक-एक क्रांतिकारी कार्यकर्ता ना कभी झुका है और ना कभी झुकेगा।

कोमल हुपेंडी ने कहा कि भाजपा की तानाशाही, अत्याचार और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को पूरा देश देख रहा है और समय आने पर जनता इसका जवाब भी देगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हमेशा विकास की राजनीति की है। विकास के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाती है। लेकिन बीजेपी आम आदमी पार्टी के बढ़ते जनाधार से घबरा गई है। अब तक पार्टी के नेताओं पर जो भी आरोप लगाए गए उसका कोई आधार नहीं है। इसका उदाहरण सबके सामने आ गया है। ईडी ने माफी मांग कर जग जाहिर कर दिया है।

कोमल हुपेंडी ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह नाम प्रधानमंत्री कार्यालय से दबाव डालकर डलवाया गया। यह पूरा मामला फर्जी है। एक रुपए की भी बेइमानी साबित नहीं हुई है। क्योंकि यह जो पूरा मामला है यह अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार को बदनाम करने के लिए केंद्र सरकार का और प्रधानमंत्री कार्यालय का एक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के नाम डाला जाए। जबरदस्ती उनसे पूछताछ की जाए। फर्जी मामलों में उनको गिरफ्तार किया जाए।

प्रयास आवासीय विद्यालय के 15 बच्चों ने लहराया सफलता का परचम

जेईई मेन्स में किया शानदार प्रदर्शन, कलेक्टर ने दी बधाई

बिलासपुर। कोनी स्थित बिलासपुर प्रयास आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर से सफलता का परचम लहराया है। जेईई मेन्स में इस साल यहां के 15 विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें 9 एसटी, 3-3 बच्चे एससी और ओबीसी वर्ग के शामिल हैं। अब ये बच्चे जेईई एडवांस की परीक्षा में शामिल होंगे। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने इस कामयाबी पर बच्चों और स्कूल प्रबंधन को बधाई देते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

प्रयास आवासीय विद्यालय के प्राचार्य श्री अश्वनी कुमार ने बताया कि जेईई मेन्स की परीक्षा 39 बच्चों ने दी थी, जिनमें से 15 बच्चों ने सफलता हासिल की है। इनमें 6 बालिका और 9 बालक शामिल है। उन्होंने बताया कि ये सभी बच्चे राजनांदगांव, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, सरगुजा, गरियाबंद जैसे जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। इन बच्चों के माता-पिता कृषक एवं

मध्यमवर्गीय परिवार से है। विभाग द्वारा इन बच्चों को आवासीय सुविधा एवं विशेष कोचिंग प्रदान कर परीक्षा की तैयारी कराई गई है। प्रयास विद्यालय के कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से वाईफाई युक्त स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की गई है। इन बच्चों के लिए मोटिवेशन के क्लास के साथ-साथ आठ से दस बच्चों का छोटा-छोटा ग्रुप बनाकर तैयारी कराई गई तथा छुट्यिों के दौरान बच्चों के लिए एकस्ट्रा क्लास लगाई गई। सप्ताह टेस्ट, मॉक टेस्ट, ऑनलाईन टेस्ट भी कराए गए। बच्चों के लिए टॉपिक वाईस स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया गया। संस्थान में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों के लिए मददगार साबित हुई। राजनांदगांव जिले से सुश्री लिसा ने बताया कि उनके पिता श्री शिवकुमार लहरे खेती-किसानी कर जीवन यापन करते है। सुश्री लिसा ने प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर वातावरण मिलने पर शासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि सभी शिक्षक बच्चों पर पूरा ध्यान देते है। बालोद के ग्राम धनगांव के श्री वेदांशु साहू के पिता भी खेती-किसानी करते है। उन्होंने बताया कि प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयारी करवाने के कारण ही उन्होंने यह परीक्षा क्वालीफाई की है। राज्य शासन के प्रति आभार जताते हुए वे कहते हैं कि सरकार की संवेदनशीलता के चलते ही आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए इतनी प्रतिष्ठित परीक्षा क्वालीफाई कर पाना संभव हो पाया है।

उधारी वसूलने किया अगवा, अधेड़ नहीं मिला तो छोटे भाई को उठाया

छत्तीसगढ़ से ले जा रहे थे राजस्थान, दो पकड़े गए

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से बदमाशों ने एक युवक को अगवा कर लिया। वह कार से युवक को लेकर राजस्थान जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने राजनांदगांव और महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर नाकेबंदी करवाई। इसके बाद आरोपियों को महाराष्ट्र पुलिस ने पकड़ लिया। बस्तर पुलिस आरोपियों को लेकर छत्तीसगढ़ पहुंची। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उधारी की रकम वसूलने के लिए वे अधेड़ को अगवा करने के लिए आए थे। वह नहीं मिला तो उसके छोटे भाई को उठाकर ले जा रहे थे। मामला कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, राजस्थान में झालावाड़ के भवानी मंडी निवासी गंगाराम ने करीब तीन साल पहले स्थानीय सूरजमल जैन से ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। इसकी एवज में गंगाराम ने सूरजमल के फार्म हाउस पर दो साल सात महीने काम किया और 1.80 लाख रुपये चुका दिए। आरोप है कि बाकी रकम के लिए सूरजमल घर आकर गंगाराम से गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। तंग आकर गंगाराम परिवार सहित बस्तर के ग्राम आसना आ गया और किराये के मकान में रहकर प्लास्टिक की कुर्सियां बेचने का धंधा करने लगा।

गंगाराम के बेटा पवन ने एक मई को थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि 30 अप्रैल को सूरजमल और एक अन्य आरोपी मोहन राठौर घर में जबरदस्ती घुस आए। उन्होंने गंगाराम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और अगवा कर ले जाने लगे। गंगाराम भागकर कहीं छिप गया। इस पर दोनों आरोपियों ने उसके चाचा सुरेश कुमार को जबरदस्ती इनोवा कार में बिठा लिया और अगवा कर ले गए। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने अफसरों को वारदात की सूचना दी और कोतवाली प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के हुलिए और गाड़ी नंबर के आधार पर राजनांदगांव और महाराष्ट्र की साकोली कारडा पुलिस से संपर्क किया गया। इसके बाद दोनों जगह नाकाबंदी की गई। महाराष्ट्र पुलिस ने चेकपोस्ट पर गाड़ी को रुकवा लिया और आरोपियों को पकड़ लिया।

उद्यानिकी फसलों के लिए ज्यादा से ज्यादा ऋण उपलब्ध कराएं: मुख्य सचिव जैन

सहकारिता, वाणिज्यिक कर, योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभागों की समीक्षा

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को सहकारी बैंकों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा ऋण वितरण करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार उन्होंने अधिकारियों को सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण करने कहा। उन्होंने वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग के अधिकारियों को राजस्व संग्रहण में वृद्धि हेतु व्यापक कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में सहकारिता, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभागों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने कहा कि वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग के अधिकारियों को जीएसटी/वेट में वृद्धि के लिए लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि व्यवसायी द्वारा प्रस्तुत डाटा का विश्लेषण समय पर किया जाए और राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित करें। बैठक में सहकारी बैंकों में एटीएम सेवाओं का विस्तार, प्राथमिक सहकारी समितियों में कम्प्यूटरीकरण एवं गोदाम निर्माण, बस्तर एवं सरगुजा में सहकारी

बैंकिंग सुविधाओं, वनाधिकार पट्टाधारी कृषकों को ऋण वितरण सहित उद्यानिकी फसलों की खेती हेतु शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन ऋण वितरण सहित आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर सचिव सहकारिता एवं वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री हिमशिखर गुप्ता, आयुक्त वाणिज्यिक कर श्री भीम सिंह, एमडी मार्कफेड श्री मनोज सोनी सहित सहकारिता, वाणिज्यिक कर एवं योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने मक्का प्रसंस्करण एवं एथेनॉल प्लांट की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को प्लांट निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कोण्डागांव जिले के ग्राम कोकोड़ी में 18 एकड़ भूमि प्लांट हेतु चयन की गई है, प्लांट निर्माण का कार्य जारी है। शीघ्र ही आगामी महीनों में प्लांट में उत्पादन कार्य प्रारंभ होने की संभावना है। इसी तरह से कवर्धा जिले के भोरमदेव में देश के प्रथम एथेनॉल प्लांट हेतु अनुबंधकर्ता एन.के.जे. बॉयो फ्यूल प्राइवेट लिमिटेड भिलाई को 35 एकड़ भूमि प्रदान की गई और इस पर एथेनॉल प्लांट निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्लांट का ट्रॉयल रन 21 मई 2023 में और वाणिज्यिक उत्पादन 20 जून 2023 से प्रारंभ हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पी.पी.ई.एस. साफ्टवेयर मे एन्ट्री हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

रायपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु अधिकारी और कर्मचारियों की प्रविष्टि पी.पी.ई.एस. साफ्टवेयर में किये जाने के संबंध में 5 अप्रैल 2023 से एन्ट्री प्रारंभ किया गया है। एन्ट्री में आ रही दिक्कतों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु अपर कलेक्टर श्री बी.सी. साहू एवं नोडल अधिकारी मतदान दल गठन तथा श्री पी.सी. वर्मा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी मतदान दल के द्वारा जिला शिक्षा विभाग के अधीनस्थ समस्त विद्यालयों के प्राचार्य और स्टॉफ का अपरांह 2.30 बजे से 3.30 बजे तक प्रथम पाली में तथा 3.30 बजे से 04.30 बजे तक द्वितीय पाली में भारतीय रेडकास सोसायटी सभाकक्ष, कलेक्टोरेट परिसर रायपुर में प्रशिक्षण दिया गया।

विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने बुद्ध पूर्णिमा पर दी बधाई शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सभी बौद्ध धर्मावलंबियों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। विस् अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, गौतम बुद्ध के उपदेश हर परिस्थिति और काल में प्रासंगिक है। महात्मा बुद्ध ने लोगों को अहिंसा, समानता और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उनकी दी गई शिक्षा हमें संयम से आगे बढ़ने का संदेश देती है। महात्मा बुद्ध के विचार और जीवन मूल्य एक बेहतर समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा मार्गदर्शक रहेंगे।

कांग्रेसजनों की संभागवार बैठक 6 से, पीसीसी प्रमुख होंगे शामिल

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम 06 मई को सुबह 11 बजे आहुजा पैलेस कोण्डागांव में बस्तर संभाग तथा 10 मई को सुबह 11 बजे राजीव भवन अंबिकापुर में सरगुजा संभाग के सभी जिला, शहर, नगर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों, सांसद, विधायक, जिला प्रभारी पदाधिकारी की बैठक लेकर बूथ-सेक्टर-जोन कमेटियों के गठन की समीक्षा करेंगे। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. चंदन यादव एवं प्रभारी बूथ प्रबंधन कमेटी अरुण सिसोदिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

तेज हवा के साथ ओलावृष्टि की संभावना

रायपुर। मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अभी चक्रवाती हवा के कारण नमी वातावरण बनी हुई है। अगले 18 घंटों में तेज हवा, गरज, छींटे, बिजली के साथ कुछ स्थानों पर ओले गिरने की प्रबल संभावना है। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी। 10 मई के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी।

कांग्रेस का हिन्दू विरोधी चेहरा फिर आया सामने-संतोष गोलछा

■ **बजरंग दल ने मुख्यमंत्री के बयानों की घोर निंदा व भर्त्सना की**

रायपुर। प्रदेश की राजधानी रायपुर में स्थित वीएचपी कार्यालय में आज 04 मई को विश्व हिंदू परिषद की शाखा बजरंगदल ने प्रेस वार्ता की। प्रेसवार्ता में बताया गया कि, कांग्रेस के कर्नाटक चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल की तुलना क्कन्नड्ड से कर बजरंग दल को बैन करने की बात कही गई है। उसके अनुसरण में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का बयान भी आया कि, हमने बजरंगियों को ठीक कर दिया है। हम भी छत्तीसगढ़ प्रदेश में बजरंग दल को बैन करने पर विचार करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री का यह बयान घोर आपत्तिजनक व अलोकतांत्रिक है। उनके इस बयान के माध्यम से हमेशा की तरह कांग्रेस का हिन्दू विरोधी चेहरा फिर सामने आया है। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल प्रदेश के मुख्यमंत्री व कांग्रेस के इस बयान की घोर निंदा व भर्त्सना करता है।

इस प्रेसवार्ता में विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष संतोष गोलछा, प्रान्त सह मंत्री घनश्याम चौधरी व बजरंग दल के प्रांत संयोजक ऋषि कुमार मिश्रा ने चर्चा में बताया कि, कर्नाटक राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना पी, एफ, आई,से कर बैन लगाने की बात कही है, उससे पहले पार्टी ये जान ले कि सन् 2011-12 में जब केन्द्र में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार थी, तब भी पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी जी ने भी बजरंग दल पर बैन लगाने का प्रयास किया था, तब उनके प्रमुख सलाहकार के, एम, नारायणन जी ने गृह मंत्रालय से रिपोर्ट मंगाई थी और उस रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने सोनिया जी को बजरंग दल पर बैन लगाने से मना किया था, बजरंग दल शुद्ध रूप से हिन्दू सनातन धर्म और राष्ट्रहित में काम करने वाला धार्मिक संगठन है, जो विश्व स्तरीय, संगठन विश्व हिन्दू परिषद के मार्गदर्शन के अनुसार काम करता है। ज्ञात हो जब कांग्रेस की सरकार ने हमारे मातृसंगठन राष्टीय स्वयंसेवक संघ पर बैन लगाया था और जब जब बैन हटा है, संघ एक बड़ी महाशक्ति के रुप में उभरा है और आज आरएसएस की शक्ति को पुरा विश्व जानता है, इसलिए किसी सज्जन शक्ति और धार्मिक, देशभक्त संगठन को बैन करने की सोचना महापाप है। पीएफआई का नाम कई बार आतंकवादी गतिविधियों में और राष्ट्र विरोधी हिंसक वारदातों में आता रहा है

पीएफआई की तुलना बजरंग दल से करना, घटिया और गंदी मानसिकता की परिणाम है। आज तक किसी भी धर्म और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में बजरंग दल का नाम नही आया है। जब भी हिन्दू सनातन धर्म पर कोई आंच आती है तब बजरंग दल अपने जान की बाजी लगाकर अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित के कार्य के लिए तत्पर और तैयार रहता है। 1990 के दशक में बाबा अमरनाथ की यात्रा, जब आतंकवादी हमलों के कारण बन्द हुई तब बजरंग दल के साहसी नौजवानों ने यह यात्रा अपनी जान की परवाह ना करते हुए की।

बजरंग दल को प्रतिबंधित नहीं, उससे प्रेरणा लेने की जरूरत है - अमित साहू

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू ने कांग्रेस के लोगों द्वारा सद्बुद्धि यज्ञ करने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस यज्ञ हवन का प्रसाद वे लोग मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी जरूर भेजें, इससे सद्बुद्धि मिलेगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री साहू ने कहा कि जिस बजरंग दल को प्रतिबंधित और ठीक कर देने की बातें कांग्रेसी कर रहे हैं, आज उन्हीं से प्रेरणा लेकर वे सद्बुद्धि यज्ञ कर रहे हैं। यह अच्छी बात है। श्री साहू ने कहा कि जो सनातन धर्म की रक्षा की बात करते हैं, गौ सेवा और रक्षा का कार्य करते हैं, भगवा ध्वज को सीने से लगाते हैं, उन्हें प्रतिबंधित या ठीक कर देने की नहीं, अपितु उनसे लगातार प्रेरणा लेने की जरूरत है।

बच्चे को बजरंग दल का सदस्य बताकर उसका वीडियो सार्वजनिक करना ख़तरनाक ॅ भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा एक बच्चे का वीडियो जारी किए जाने पर इसके पीछे निहित मंशा पर सवाल उठाया है। श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने ठीक एक दिन पहले ही %बजरंग दल को ठीक कर देंगे% कहा था। ऐसे में उस बच्चे को बजरंग दल का सदस्य बताकर उसका वीडियो सार्वजनिक करने के पीछे मुख्यमंत्री बघेल की मंशा काफ़ी ख़तरनाक लग रही है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि इस मामले पर भाजपा अब विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर रही है। अगर ज़रूरी हुआ तो इस संबंध में बाल संरक्षण आयोग में मुख्यमंत्री बघेल के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराने समेत अन्य क़ानूनी विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा।

बजरंग दल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नहीं छत्तीसगढ़ को गाली दी है - कांग्रेस

बजरंग दल के प्रदर्शन के दौरान उसके एक कार्यकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दी गयी गाली की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बजरंग दल द्वारा यह गाली सिर्फ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दी गयी गाली नहीं यह गाली पौने तीन करोड़ छत्तीसगढ़ियों को दी गयी है। एक नाबालिक युवक को बरगला कर प्रदर्शन में शामिल करने और उससे मुख्यमंत्री को गाली दिलवाने के षडयंत्र के लिये आरएसएस प्रमुख, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और बजरंग दल प्रमुख के खिलाफ बाल संरक्षण आयोग में कांग्रेस शिकायत करेगी। शुक्ला ने कहा कि भूपेश बघेल राज्य के मुख्य मंत्री हैं। छत्तीसगढ़िया अस्मिता के प्रतीक है, वे छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा दे रहे है। माता कौशल्या के मंदिर और भगवान राम के वन गमन पथ को विकसित कर दुनिया के सामने छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने का काम किया है। पिछले चार सालों में उन्होनें राज्य की संस्कृति खान पान तीज त्योहार परम्परा को विश्वस्तर पर पहचान दिलाया है। भूपेश बघेल हर छत्तीसगढ़िया के मान सम्मान और अभिमान का केन्द्र है। आरएसएस और भाजपा को यह बर्दास्त नही हो रहा कि पंद्रह साल तक जिस छत्तीसगढ़ी अस्मिता को उन्होंने दबा कर रखा था भूपेश बघेल उसे प्रतिष्ठित कर रहे।

मुख्यमंत्री से जिला पंचायत दुर्ग की नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में जिला पंचायत दुर्ग की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा भुनेश्वर यादव ने सौजन्य मुलाकात की।

इस अवसर पर खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, भिलाई चरोदा के महापौर श्री निर्मल कोसरे और केश-शिल्प कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नन्द कुमार सेन मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्रीमती पुष्पा भुनेश्वर यादव को दुर्ग जिला पंचायत के अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जिला पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष अशोक साहू, जिला पंचायत दुर्ग के सदस्यगण शमशीर कुरैशी,आकाश कुर्रे, श्रीमती योगिता चंद्राकर, श्रीमती दुर्गा कमलेश नेताम, मोरध्वज साहू के अलावा जनपद पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़ मौजूद थे।

मृतकों के परिजनों के लिए 4 लाख की सहायता राशि घोषित

बालोद हादसे में 11 लोगों की मौत, घायल बच्चे ने भी तोड़ा

धमतरी/बालोद, 04 मई (आरएनएस)। बालोद में बुलेरो कार ट्रक से टकरा गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और इसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई. इनमें से 10 एक ही परिवार के थे. मरने वालों में एक डेढ़ साल का बच्चा भी शामिल है. ये सभी लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे. हादसा कांकेर नेशनल हाइवे पर जगतरा के पास हुआ. बताया जा रहा है कि परिवार धमतरी के सोरम गांव से बुलेरो में सवार होकर शादी में शामिल होने के लिए मरकाटोला जा रहा था. लेकिन बीच में ही एक्सीडेंट हो गया. हादसे में मरने वालों में दो बच्चे और 5 महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बुधवार रात ये हादसा हुआ. इस हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है. ये सभी लोग शादी में शामिल होने के लिए मरकाटोला जा रहे थे. टक्कर इतनी तेज थी कि 10 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई. जबकि एक की अस्पताल के जाते वक्त जान चली गई. उन्होंने बताया कि सभी के शवों को अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. उधर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घटना पर दुख जताया है. उन्होंने ट्वीट किया, अभी अभी सूचना मिली है कि बालोद के पुरूर और चारमा के बीच बालोदगहन के पास शादी कार्यक्रम में जा रही बोलेरो और ट्रक के बीच भिड़ंत में 10 लोगों की मौत हो गई है और बच्ची की स्थिति गंभीर है। ईश्वर दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं को शांति एवं

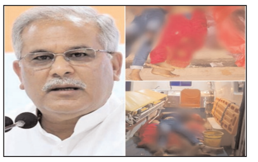

उनके परिवारजनों को हिम्मत दे. घायल बच्ची के स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. मुख्यमंत्री ने दुर्घटना पर शोक जताते हुए प्रति मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपये की सहायता राशि दिये जाने की घोषणा की है।

मृतकों के नाम - केशव साहू (34), डोमेश ध्रुव (19), टोमिन साहू (33), संध्या साहू (24), रमा साहू (20), शैलेंद्र साहू (22), लक्ष्मी साहू (45), धरमराज साहू (55), उषा साहू (52), योग्यांश साहू (3), ईशान साहू डेढ़ साल।

मुख्यमंत्री ने दुःख प्रकट किया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बालोद जिले के पुरूर और चारामा के बीच बालोदगहन के पास बीती रात सड़क दुर्घटना में साहू परिवार के 10 सदस्यों एवं डामेश ध्रुव की मृत्यु की घटना पर गहरा दु:ख प्रकट किया हैएवं मृतकों के परिवारजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने इस घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

सरोज पांडे बतायें यौनशोषण के आरोपी सांसद पर अबतक कार्यवाही क्यों नहीं - कांग्रेस

रायपुर। दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन कर रहे पहलवान बेटियों के के ऊपर हुई लाठीचार्ज अभद्रता की निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य सरोज पांडे बताये देश के लिए मेडल जीतने वाले विश्व में देश का नाम रोशन करने वाले पहलवान बेटियों के साथ हुई यौन शोषण की घटना के आरोपी सांसद बृजभूषण सिंह को भाजपा पार्टी से बाहर क्यो नही कर रही है? मोदी सरकार आरोपी सांसद बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही है? जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर एफआईआर दर्ज हुई है। भाजपा का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारा दिखावटी है असल में भाजपा बेटियों को डराओ और अपराधियों को बचाओ के नारा पर काम करती है। अपराधियों को अपने पार्टी में सर्वोच्च पद देती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा का चरित्र है आरोपी और अपराधियों को संरक्षण देना उसे बचाना और पीड़ित पक्ष को डराना धमकाना प्रताड़ित करना है। उन्नाव और कठुवा में रेप की घटना हुई थी तो भाजपा के लोग झंडा लेकर आरोपी को बचाने धरना प्रदर्शन कर रहे थे।

सरकार की कुनीतियों के चलते आदिवासी समाज के 110 बच्चे डॉक्टर बनने से वंचित - भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कुनीतियों के चलते आदिवासी समाज के 110 बच्चे डॉक्टर बनने से वंचित हो गए हैं। ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आरक्षण और आदिवासियों के नाम पर सियासी ड्रामेबाजी तो खूब कर रहे हैं लेकिन आदिवासी समाज का हक मारकर वे आदिवासियों का सब कुछ छीनने पर आमादा हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि आरक्षण पर स्थगन लेने में प्रदेश की भूपेश सरकार ने इतना ज्यादा विलंब कर दिया कि आदिवासी समाज के लगभग 110 बच्चों की, जिन्होंने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की, आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की गंदी सियासत के चलते भर्ती ही नहीं हो पाई और वे डॉक्टर बनने से चूक गए। मुख्यमंत्री बघेल और उनकी सरकार को प्रदेश को इस बात का जवाब देना होगा कि क्या मुख्यमंत्री बघेल नहीं चाहते कि वह 110 आदिवासी बच्चे डॉक्टर बनें? क्या प्रदेश सरकार नहीं चाहती कि आदिवासी समाज के बच्चे पढ़-लिखकर कामयाबी की मिसाल कायम करें? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने आदिवासी बच्चों के भविष्य के साथ घिनौना खिलवाड़ करने का काम किया है।

कांग्रेस राज में नशे का नेशनल हाईवे बनता जा रहा है छत्तीसगढ : कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है, राज्य में राजनितिक,वित्तीय अराजकता है, राज्य के माथे को कलंकित करने का कार्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में प्रदेश में केवल लूट की छुट जो मची हुई है, छत्तीसगढ़ के रास्ते देश के कई हिस्सों में बेखौफ गांजे की तस्करी जारी है और इन्हें संरक्षण कौन दे रहा इसका जवाब मुख्यमंत्री बघेल को देना चाहिए? लगातार गांजे की तस्करी जोरो से चल रही है मानो छत्तीसगढ़ नशे का नेशनल हाईवे बन चुका है। जिसे रोकने में प्रदेश की पुलिस नाकाम है और छत्तीसगढ़ प्रदेश गांजा तस्करों के लिए लोकप्रिय बन चुका है कारण है कांग्रेस सरकार की मौनता जिससे कि लगातार तस्करों का मनोबल मजबूत होता जा रहा है। उन्होनें कहा कि आये दिन केवल कुछ छोटे तस्करों को ही पकड़ कर पुलिस कार्रवाई के नाम पर दिखावा कर रही है। आज भी बड़े तस्कर या गिरोह पुलिस के हाथों से दूर है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ही छत्तीसगढ़ से लगे सीमावर्ती राज्यों में करीब 10 हजार एकड़ में संगठित तौर पर गांजे की खेती का मामला सामने आया था।

फसलों की बर्बादी के बाद सरकार किसानों की कोई सुध नहीं ले रही : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि हाल के दिनों में हुई लगातार बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात के कारण किसानों की रबी और उद्यानिकी फसलों की बर्बादी के बाद भी प्रदेश सरकार आपदाग्रस्त किसानों की कोई सुध नहीं ले रही है। श्री शर्मा ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की खामोशी और सियासी पाखंड को देखते हुए लग नहीं रहा है कि वह किसान के बेटे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि अप्रैल-मई में बारिश ने वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले लगभग पखवाड़ेभर से लगातार हो रही बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात से रबी और उद्यानिकी फसलें तबाह हो गई है, और किसानों का समूचा अर्थतंत्र चरमरा गया है। खासकर धान की फसल की हालत तो यह है कि लगभग 40 प्रतिशत धान के दाने खेत में ही झड़ गए हैं। ग्रामीण कृषि कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। श्री शर्मा ने सवाल किया कि आपदा के ऐसे समय में प्रदेश के मुख्यमंत्री बघेल, जो खुद के किसान और किसान का बेटा होने का ढिंढोरा पीटते घूमते हैं, कहाँ है? उनका कहीं अता-पता नहीं है! श्री शर्मा ने तंज कसा कि कभी-कभी तो मुख्यमंत्री बघेल के इस रवैए पर हैरानी होती है।

पॉवर कंपनी में डाटा एंट्री आपरेटर के 400 पदों के लिये दस्तावेज परीक्षण होगा जल्द

रायपुर। राज्य शासन के निर्देश का तत्काल अनुपालन करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 70 पदों पर भर्ती आदेश जारी कर दिये हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भर्ती प्रक्रिया रूकी हुई थी, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से भर्ती सूची प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश 3 मई को राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किये। जिसके अनुपालन में आज ही डाटा एंट्री आपरेटर और जूनियर इंजीनियर के नियुक्ति आदेश जारी कर दिये गए हैं। अभियंता(मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि डाटा एंट्री आपरेटर के विभागीय आवेदकों में से 40 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिये गए हैं। इसमें डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 31, ट्रांसमिशन कंपनी के पांच और जनरेशन कंपनी के चार अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किये गए। इसी तरह जूनियर इंजीनियर की सीधी भर्ती के 31 पदों के भर्ती आदेश भी जारी कर दिये गए हैं। इनमें आईटी, इलेक्ट्रानिक्स व कंप्यूटर साइंस ब्रांच के अभ्यर्थी शामिल हैं। साथ ही डाटा एंट्री आपरेटर के 400 पदों पर भर्ती शीघ्र पूरी कर ली जाएगी। इसके लिये दस्तावेजों के परीक्षण के लिये प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

सभी पक्षकारों तक लोक अदालत का लाभ पहुँचाना हमारा लक्ष्य-न्यायाधीश संतोष शर्मा

लोक अदालत की सफलता सभी विभागों के सहयोग से और 'न्याय सभी के लिए' उददेश्य को पूरा करने के लिए सभी का योगदान जरूरी है, जिससे नेशनल लोक अदालत के अच्छे परिणाम आ सकें। आगामी नेशनल लोक अदालत जो कि दिनांक 13.5.2023 को आयोजित होनी है, के संबंध में जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय श्री संतोष शर्मा जी द्वारा वरिष्ठ न्यायाधीशगण,जिलों के न्यायिक अधिकारियों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, बैंक बीमा के अधिकारियों,बिजली विभाग के अधिकारीगण,फाइनेंस कंपनी के

अधिकारीगण,अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष,आयुक्त नगर-पालिका निगम इत्यादि के साथ विशेष रूप से बैठक लेकर आगामी लोक अदालत में प्रकरण के निराकरण आगे कहा कि मोटर दुघर्टना दावा प्रकरणों, ट्रैफिक चालान, कामशिर्यल कोर्ट, चेक बाउंस, वैवाहिक विवाद के मामलों का लोक अदालतो में निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छोटे विवादों का लोक अदालतों के माध्यम से निस्तारण हो जाने से न्यायालय पर ऐसे छोटे मामलों का भार कम होता है और न्यायालय को संगीन मामलों के शीध्र निराकरण हेतु सुगमता होती है। बैठक में उपस्थित जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों से अपेक्षा की गयी है कि वे अपने अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रकरणों के निपटारे का प्रयास करें। ट्रैफिक चालान, भूमि अधिग्रहण, विद्युत बिल, नगरपालिका के टैक्स, जल देयक, श्रम विवाद,भाड़ा नियंत्रण, राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में निराकृत कर उनके पक्षकारों को राहत दिलायी जा सकती है।विभिन्न विभागों नगर निगम के 15,000,दूरभाष के 3000,बैंक संबंधी 10,000 बिजली विभाग के 5000 प्रकरण को चिन्हांकित किया गया है। जिला न्यायाधीश द्वारा जिले के पुलिस अधीक्षकों से अपेक्षा की कि नेशनल लोक अदालत में चिन्हांकित किए जाने वाले प्रकरणों के पक्षकारों को उचित समय पूर्व नोटिस तामील करायी जा सके, इसके संबंध में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराएं ताकि पक्षकार अपने मामलों के संबंध में न्यायालयों में उपस्थित रह सके। सभी विभागों से अपेक्षा करते हुए कहा कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन हाईब्रिड माध्यम से किया जा रहा है, इसलिए ऐसा कोई पक्षकार जो वचुर्अल माध्यम से मामले में उपस्थित होना चाहता है, तो उसकी उपस्थिति के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होनें लोगों को उनके घर तक न्याय की पहंच उपलब्ध सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विगत नेशनल लोक अदालत में जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए आयोजित की गई।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजना के अंतर्गत आईआरसीटीसी चलाएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

रायपुर। रेल मंत्रालय ने देश के विभिन्न भागों से भारत सरकार द्वारा परिकल्पित 'देखो अपना देश' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की पर्यटन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन शुरू किया है । भारतीय रेल की इन थीम-आधारित ट्रेनों की परिकल्पना घरेलू पर्यटकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से अवगत कराने हेतु की गई है ।

छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म

कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है जो 25 मई, 2023 को बिलासपुर शहर से 'दक्षिण दर्शन शुभ यात्रा' के लिए रवाना होगी । यह ट्रेन छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, भाटापारा, तिल्दा नोरा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगाव एवं महाराष्ट्र के गोंदिया, तिरोरा, भंडारा रोड, नागपुर, सेवाग्राम, बल्लारशाह स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे । 07 रातें/08 दिनों की इस यात्रा में रामेश्वरम, मदुरई, तिरुपति एवं श्रीसैलम- मल्लिकर्जुना ज्योतिलिंग के मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.